10 ऋषभ पंत....

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 काजल राघवानी...

रांची, सोमवार, 10 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -55 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

परिनाज एवं आलिया, पाकुड़

मासूमियत इंसान की वह सबसे खूबसूरत पूंजी है, जो न तो बाजार में मिलती है और न ही दिखावे से बनती है। यह दिल की सच्चाई, नीयत की सफाई और सोच की पवित्रता में बसती है। जिस व्यक्ति के भीतर मासूमियत होती है, वह छल-कपट से दूर रहकर हर रिश्ते को ईमानदारी से निभाता है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,33,700

चांदी (प्रति किलो) : 2,36,000

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 78,499.17

निफ्टी :- 24,570.65

मौसम

अधिकतम तापमान : 29 °

न्यूनतम तापमान : 22 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:22

संध्या :- 18:27

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1741को कोलाचेल की लड़ाई में त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा ने डच ईस्ट इंडिया कंपनी को हराया था।

संक्षिप्त समाचार

जेपीएससी के तीन सदस्यों ने राज्यपाल को भेजा त्यागपत्र

रांची। जेपीएससी के तीन वरिष्ठ सदस्यों अजीता भट्टाचार्य, डॉ. जमील अहमद और अनिमा हांसदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तीनों सदस्यों ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है. जेपीएससी के तीन सदस्यों डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने भी अपने पद से इस्तीफा देते हुए राज्यपाल को त्यागपत्र भेज दिया है. इन तीनों सदस्यों को सीआईडी ने पूछताछ के लिए समन भेजा था. 10 अगस्त को डॉ. अजिता भट्टाचार्य से सीआईडी की टीम पूछताछ करेगी. बता दें कि जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा और अन्य परीक्षाओं के संचालन में बड़े पैमाने पर धांधली, ओएमआर शीट में छेड़छाड़ और अयोग्य अभ्यर्थियों को पास कराने के आरोपों की जांच सीआईडी कर रही है. इसी सिलसिले में सीआईडी ने आयोग की इन तीनों सदस्यों डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद को अलग-अलग तारीखों पर पूछताछ के लिए समन भेजा था.

जेल कक्षपाल भर्ती की तारीख बदली, अब 11 सितंबर को होगा इंटरव्यू

रांची। झारखंड में जेल कक्षपाल और महिला कक्षपाल के 340 पदों पर होने वाली भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू की तारीख बदल दी गई है. पहले यह इंटरव्यू 12 अगस्त 2026 को होना था. अब इसका आयोजन 11 सितंबर 2026 को किया जाएगा. यह भर्ती भूतपूर्व सैनिकों और अर्द्धसैनिक बलों के अभ्यर्थियों के लिए संविदा के आधार पर की जा रही है. भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा, हजारीबाग में होगा. कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं निरीक्षणालय की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गई. इसमें बताया गया कि कुछ जरूरी कारणों से 12 अगस्त को होने वाले इंटरव्यू को स्थगित किया गया है. विभाग ने कहा है कि भर्ती से जुड़ी बाकी सभी शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं से मिले पीएम मोदी, कहा- जो खेलेगा, वो खिलेगा, हमेशा भारत के लिए चीयर करें

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संडे को ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (सीडब्लयूजी) में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनकी मेहनत व समर्पण की सराहना की. प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए कहा, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा. हमेशा भारत के लिए चीयर करें.'

देश का परचम आगे भी लहराए

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय दल के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने बॉक्सिंग, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स समेत कई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी सफलता को अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम आगे भी लहराने का आह्वान किया.

युवाओं को खेलों से जोड़ने पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों को देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया. उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे देश के बच्चों और युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है. उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और 'Cheer for Bharat' के संदेश के साथ भारतीय खेल प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाने पर जोर दिया.

पीएम से मिलना गर्व का पल

महिला 51 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली मुक्केबाज साक्षी चौधरी भी प्रधानमंत्री से मिलने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहीं. मुलाकात के बाद साक्षी ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि सभी पदक विजेताओं के लिए प्रधानमंत्री से मिलना गर्व का पल रहा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बेहद सहज और विनम्र हैं और खिलाड़ियों ने उनके साथ मुलाकात का काफी आनंद लिया.

39 पदकों के साथ शानदार अभियान

ग्लासगो में भारत ने कुल 39 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 13 स्वर्ण शामिल रहे. भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभा और मजबूत तैयारी का परिचय दिया. बॉक्सिंग में भारत का प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा और भारतीय मुक्केबाजों ने रिकॉर्ड 10 पदक जीते.

'छात्रों की बात... छात्रों के साथ', सीएम हेमंत सोरेन ने युवाओं से मांगे परीक्षा सुधार के सुझाव

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा व्यवस्था को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री ने झारखंड के युवाओं से संवाद और सुझाव देने की अपील की है. मुख्यमंत्री ने 'छात्रों की बात - छात्रों के साथ' अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि संवाद से ही सुधार आते हैं और छात्रों की भागीदारी के बिना यह संवाद अधूरा है. उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवाओं के सपने सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई छात्र जब वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है, तो उसके साथ केवल उसका भविष्य नहीं, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदें जुड़ी होती हैं. ऐसे में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है.

परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए उठाये कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार सरकार ने जेपीएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नई नियमावली तैयार की है. परीक्षा की शुचिता बनाए रखने और प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था भी लागू की गयी है. उन्होंने कहा कि यह कानून झारखंड के युवाओं के भविष्य की रक्षा के उद्देश्य से बनाया गया है. उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर देश के कई राज्यों के सामने चुनौतियां हैं. ऐसे समय में झारखंड का प्रयास केवल समस्याओं पर चर्चा करना नहीं, बल्कि समाधान का रास्ता तैयार करना है.

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने का दावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास झारखंड के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार और अवसर उपलब्ध कराना है. इसी उद्देश्य से नियुक्ति प्रक्रियाओं में कई महत्वपूर्ण सुधार किये गये हैं. झारखंडी फर्स्ट की भावना के साथ स्थानीय युवाओं के हितों की रक्षा और उनके लिए अवसरों का विस्तार करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि 25 वर्ष का झारखंड अब विकास के नये चरण में प्रवेश कर रहा है. यह केवल सरकार की यात्रा नहीं, बल्कि सभी झारखंडवासियों की साझा यात्रा है और इसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों की ओर से प्राप्त प्रत्येक सुझाव का अध्ययन किया जायेगा. विशेषज्ञों के माध्यम से सुझावों का परीक्षण कराया जायेगा और जहां संभव होगा, उन्हें नियमों और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप तय समय सीमा के भीतर लागू करने का प्रयास किया जायेगा. उन्होंने कहा कि यह केवल परीक्षा सुधार का विषय नहीं है, बल्कि झारखंड के युवाओं के विश्वास, लाखों परिवारों के सपनों और राज्य के भविष्य से जुड़ा विषय है.

पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं सुझाव

मुख्यमंत्री ने युवाओं से 'छात्रों की बात – छात्रों के साथ' जनभागीदारी अभियान का हिस्सा बनने और अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की है. इसके लिए सरकार ने samvad.jharkhand.gov.in पोर्टल उपलब्ध कराया है. मुख्यमंत्री ने युवाओं से ऐसी परीक्षा व्यवस्था बनाने में भागीदारी की अपील की, जिस पर हर छात्र गर्व और भरोसा कर सके.

'झारखंड आदिवासी महोत्सव, 2026' के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री

विद्यार्थियों की भावना को समझती है राज्य सरकार, पारदर्शिता के साथ होगा न्याय : हेमंत

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जोहार से अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को हम सभी जानते हैं। पूरे आदिवासी समाज को आज के इस दिवस को यादगार बनाने के का इंतजार रहता है। धरती पर आदिवासी समाज की अलग पहचान है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए इस आदिवासी महोत्सव की शुरूआत हुई है। उन्होंने महोत्सव के लिये सभी लोगों के सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होने का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार जी की गरिमामयी उपस्थिति को समारोह की विशेष गरिमा और आदिवासी समाज के गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए राज्यपाल महोदय केवल राज्य के राज्यपाल ही नहीं, बल्कि आदिवासी समुदाय के मार्गदर्शक और सर्वमान्य नेतृत्वकर्ता के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) राज्यपाल महोदय की छत्रछाया और मार्गदर्शन में कार्य करती है। टीएसी के माध्यम से आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा, उनके समग्र विकास और कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। साथ ही, आदिवासी समाज के विकास के साथ-साथ पूरे समाज की प्रगति और भविष्य की दिशा तय करने में भी टीएसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा एवं जीवनशैली को सामने लाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के आदिवासी दिवस को पूरे देश और दुनिया में आदिवासी समाज अपने-अपने तरीके से यादगार बनाने में जुटा हुआ है। झारखंड में भी पिछले कुछ वर्षों से इस अवसर पर छोटे-बड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करके आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मोरहाबादी के पूरे मैदान में देश और राज्य के विभिन्न हिस्सों में निवास करने वाले आदिवासी समुदायों की विविधता और सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। आयोजन स्थल पर पंडाल लगाए गए हैं, जहां हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग अपनी जीवनशैली, कला, संस्कृति, परंपरा और आजीविका के साधनों को प्रदर्शित कर रहे हैं। यह आयोजन हमें यह भी दिखाता है कि किस तरह आदिवासी समाज अपनी पारंपरिक पहचान को संजोते हुए विकास और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए हैं। कलाकारों, कारीगरों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सहभागिता ने इस आयोजन को और भी अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया है। उनके हुनर, परंपरा और अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत और बेहतर रास्ते की तलाश में आगे बढ़ते आदिवासी समाज की तस्वीर यहां देखने को मिल रही है। इस अवसर पर राज्य में विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत को सम्मान और सशक्तिकरण का प्रदर्शन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मुख्यमंत्री ने आदिवासी महोत्सव में सशरीर एवं अन्य माध्यमों से उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

इनकी रही उपस्थिति..

इस अवसर पर राज्य के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, सांसद राज्यसभा महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अमित महतो, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण, राज्य सरकार के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोग उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर सजा अदि-फिस्ट

दिखी जनजातीय संस्कृति की झलक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से रविवार को नया नगर भवन में अदि-फिस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने किया। आयोजन में जन जातीय संस्कृति, परंपरा, कला, जीवनशैली और विरासत से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज की जीवनशैली प्रकृति और जंगल से गहराई से जुड़ी रही है। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेश में रहने के बावजूद वे झारखंड की धरती और यहां की संस्कृति से जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा की आत्मकथा की प्रतियां प्रकाशित कराई जानी चाहिए, ताकि बच्चे उसे पढ़कर अपनी विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकें। उन्होंने कहा कि आज भी आदिवासी समाज की जीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है और राज्य में कृषि क्षेत्र में सुधार की काफी संभावनाएं हैं। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के हितों की रक्षा और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से ह्यअकील एड़पा : बेहतर शिक्षा की ओरह्न कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जिले के 10वीं और 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों के परिणाम में सुधार लाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के महत्व को समझते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की। कहा कि आधुनिकता के दौर में युवाओं को शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति को भी साथ लेकर चलना होगा। सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस का उद्देश्य केवल आदिवासी संस्कृति का संरक्षण ही नहीं, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा भी है। उन्होंने अनुसूचित जनजाति समुदाय के संरक्षण के लिए बने कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के अन्याय की स्थिति में लोग पुलिस के समक्ष शिकायत करें। उन्होंने सभी से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने कहा कि आधुनिकता के दौर में लोग धीरे-धीरे अपनी संस्कृति और परंपराओं से दूर हो रहे हैं। अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए जड़ों से जुड़ना जरूरी है। मांदर, ढोल-नगाड़ा और पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाने के साथ जल, जंगल और जमीन से जुड़ाव बनाए रखना होगा। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। लोकगीत, नृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध विरासत और जीवनशैली की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों एवं स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री साइकिल योजना के तहत 10 विद्यार्थियों को साइकिल दी गई। पेशरार प्रखंड के पांच सामुदायिक समूहों को सामुदायिक वन पट्टा प्रदान किया गया। दो मसना घेराबंदी के स्वीकृति पत्र, जेएस एलपीएस के दो लाभुकों को 61.80 लाख रुपये के रिवॉल्विंग फंड का चेक तथा दो लाभुकों को सीआईएफ फंड का चेक दिया गया। अबुआ आवास योजना के तहत चार लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। एक सेविका एवं एक सहायिका को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं पीएमएफएमई योजना के तहत एक लाभुक को 1.30 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर भवन के समीप लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का उपायुक्त संदीप कुमार मीना, एसपी सादिक अनवर रिजवी समेत अन्य पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया। स्टॉलों पर जनजातीय कला, संस्कृति, पारंपरिक उत्पाद, हस्तशिल्प और विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित गतिविधियों की जानकारी ली गई। मौके पर डीडीसी राज महेश्वरम, परियोजना निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, सांसद प्रतिनिधि आलोक साहू, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, एसडीओ अमित कुमार समेत अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

नशे की हालत में बाइक सवार युवक दुर्घटनाग्रस्त, सिर में गंभीर चोट

रामगढ़/गोला। भारतमाला सड़क पर धमनातांड़ के समीप रविवार की शाम ग्लैमर मोटरसाइकिल सवार एक युवक दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। घटना की सूचना मिलते ही एनएचएआई की 1033 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला पहुंचाया। घायल की पहचान धनबाद जिले के चीरकुंडा प्रखंड अंतर्गत कुम्हरडूबी गांव निवासी बबन कुमार शर्मा (35 वर्ष), पिता भूरण शर्मा के रूप में हुई है। बताया गया कि वह अपने घर से ग्लैमर मोटरसाइकिल से गोला की ओर जा रहा था। इसी दौरान धमनातांड़ के समीप वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार दुर्घटना के समय युवक नशे की हालत में था। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे तत्काल रेफर कर दिया। एनएचएआई की 1033 एंबुलेंस टीम की तत्परता से घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई।

डीवीसी चौक से गोला थाना तक अतिक्रमण हटाने की कवायद तेज, प्रशासन ने दुकानदारों को दी सख्त चेतावनी

रामगढ़/गोला। डीवीसी चौक से गोला थाना तक सड़क के दोनों किनारों पर बढ़ते अतिक्रमण के खिलाफ गोला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ग्रामीणों द्वारा लगातार की जा रही शिकायत और आवेदन के आधार पर अंचलाधिकारी, गोला एवं थाना प्रभारी, गोला के संयुक्त तत्वावधान में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की पहल शुरू कर दी गई है। प्रशासन की ओर से सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण कर दुकान लगाने वाले दुकानदारों और अन्य लोगों को ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से सूचना देकर तत्काल अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जा रहा है। स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि संबंधित लोग स्वयं अपने स्तर से अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस दौरान होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकारियों की होगी। गौरतलब है कि गोला डीवीसी चौक एवं आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से सड़क के किनारे अवैध रूप से दुकानें और अस्थायी संरचनाएं लगाए जाने के कारण जाम की समस्या गंभीर बनी हुई है। इससे आम राहगीरों के साथ-साथ मरीजों, एंबुलेंस और अन्य आवश्यक वाहनों को भी आवागमन में परेशानी होती है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों से किसान अपनी फसल लेकर बाजार पहुंचते हैं, लेकिन सड़क पर घंटों जाम में फंसे रहने के कारण उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता। चारों ओर बढ़ते अतिक्रमण के कारण डीवीसी चौक पर जाम और अव्यवस्था का स्थायी साया बना हुआ है। अब प्रशासन की इस पहल से लोगों को अतिक्रमण से मुक्ति और सुगम यातायात की उम्मीद जगी है।

ज्योति ग्रीन एनर्जी का विधायक ममता देवी ने फीता काट किया श्रीगणेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ की फिजाओं में अब ग्रीन एनर्जी की नई चमक बिखरने वाली है। गोला रोड स्थित MMT Ground के पास आज उस वक्त भारी रौनक देखने को मिली, जब रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी ने फीता काटकर ज्योति ग्रीन एनर्जी शॉप का भव्य एवं विधिवत उद्घाटन किया। विधायक ममता देवी नए प्रतिष्ठान का फीता काटकर उद्घाटन कर दुकान के प्रोपराइटर संजय गुप्ता को उनके इस नए और शानदार प्रतिष्ठान के लिए ढेर सारी बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संजय गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज के दौर में ग्रीन और क्लीन एनर्जी ही भविष्य की असली ताकत है, और यह नया प्रतिष्ठान स्थानीय लोगों को बेहतर और आधुनिक ऊर्जा विकल्प मुहैया कराने में मील का पत्थर साबित होगा।

अंजुमन इस्लामिया अदलिया कमिटी में चार मामलों की हुई सुनवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

फैसला ऐसा हो, जो विवाद ही नहीं, दिलों की दूरियां भी खत्म करे: अब्दुल रउफ अंसारी

लोहरदगाः अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा की अदलिया कमिटी ने रविवार को अंजुमन कार्यालय में चार महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई करते हुए सामाजिक सौहार्द और आपसी सुलह की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बातों को गंभीरता से सुना गया। इनमें से दो मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर निष्पादन किया गया, जबकि दो मामलों में अगली तारीख निर्धारित की गई। सुनवाई के दौरान अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, ऑफिस सेक्रेटरी मौलवी अबुल कलाम तैगी, यासीन कुरैशी, महबूब अंसारी, अब्दुल मोहेमिन बबन, सैयद वसीम, मोहम्मद असगर तैगी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।पहला मामला सबरीना खातून बनाम शमीम खलीफा के बीच दुकान से संबंधित विवाद का था, जिसकी सुनवाई के बाद अगली तारीख दी गई। दूसरे मामले में अमजद अंसारी बनाम अशफाक अंसारी के बीच लेन-देन से संबंधित विवाद की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की सहमति से मामले का निष्पादन किया गया। तीसरा मामला मेहराब अली बनाम हाजी सज्जाद खान एवं आफताब आलम के बीच जमीन-जगह एवं लेन-देन से संबंधित था, जिसमें अगली तारीख निर्धारित की गई। वहीं अमजद अंसारी बनाम अमरीन हूमा के बीच आपसी नाइत्तेफाकी के मामले में दोनों पक्षों की सहमति से समाधान कराया गया तथा आपसी लेन-देन स्पष्ट करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। दो अन्य मामलों की प्रारंभिक मौखिक सुनवाई कर उन्हें जांच-पड़ताल के लिए सुरक्षित रखा गया। इस अवसर पर सदर अब्दुल रउफ अंसारी ने कहा कि अदलिया कमिटी का उद्देश्य किसी की जीत या हार तय करना नहीं, बल्कि विवाद का ऐसा समाधान निकालना है, जिससे इंसाफ के साथ रिश्ते भी सुरक्षित रहें। बातचीत और आपसी सहमति से हुआ फैसला लंबे विवाद को समाप्त करने के साथ दिलों की दूरियां भी कम करता है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि छोटी-छोटी गलतफहमियां बड़े विवाद का रूप न लें। सच्ची सुलह वही है, जो कड़वाहट मिटाकर आपसी भरोसा और भाईचारा मजबूत करें। उन्होंने आम लोगों से विवादों को बढ़ाने के बजाय बातचीत और सुलह का रास्ता अपनाने की अपील की।

सीपीसी कॉलेज में स्व. रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाया गया

रामगढ़/गोला। झारखण्ड आंदोलन को मजबूती देने वाले, सामाजिक न्याय के प्रेरणास्रोत, महान शिक्षाविद, वंचित वर्ग के सशक्त आवाज एवं परम श्रद्धेय पूर्व रामगढ़ प्रमुख स्व. रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कोटि-कोटि नमन किया गया। वातावरण को सुदृढ़ता के सोपान लिए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छायादार व फलदार पौधों का वितरण किया गया। उनके बखान में कई बातों में ये भी कहा गया कि राज्यहित और जनकल्याण के लिए उनका संघर्ष तथा मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत उनका जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहेगा । मुख्य अतिथि के रूप में गोला प्रमुख गीता देवी, विशिष्ट अतिथि जिला पार्षद जलेश्वर महतो व वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्र शेखर कुमार वहीं केंद्रीय सदस्य अशोक कु.महतो महाविद्यालय के प्राचार्य संजय कु. महतो उप प्राचार्य राजीव रंजन सिंह शिक्षक प्रतिनिधि ज्ञानी महतो अनिरुद्ध कुमार स्नेहलता सिंह, आशा शर्मा, प्रियंका केशरी, अनिता कुमारी शिक्षकेतर कर्मी-चन्द्र शेखर करमाली, संजय कु.महतो, शिवनन्दन महतो, सुरेश कुमार, मनसू महतो, शीला देवी, भीखनी देवी अनुसूचित जाति के प्रखंड अध्यक्ष बिशु रजवार वहीं पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष अंगद महतो सचिव नित्यानंद महतो, बिनु गोस्वामी जी, रणधीर बसरिया, राजेश महतो उर्फ फंटुस, मंटू महतो, कार्तिक साव, मुकेश महतो आदि मौजूद थे।

डीएमओ का पद खाली रहने से गुमला में करीब डेढ़ हजार ट्रकों का परिचालन प्रभावित, एसोसिएशन ने रखी समस्या

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बॉक्साइट ट्रकों और माइंस का काम जल्द शुरू होगा : धीरज प्रसाद साहू

लोहरदगाः लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राज्यसभा सांसद सह एसोसिएशन के संरक्षक धीरज प्रसाद साहू से उनके आवास पर मुलाकात कर गुमला जिले में बॉक्साइट खनन और ट्रकों के परिचालन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि गुमला जिले में पिछले करीब डेढ़ महीने से जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) का पद रिक्त है। पूर्व डीएमओ के स्थानांतरण के बाद अब तक नए डीएमओ की पदस्थापना नहीं हुई है। इसके कारण बॉक्साइट माइंस को चालान निर्गत नहीं हो पा रहा है।एसोसिएशन के अनुसार, गुमला जिले में हिंडाल्को की करीब आधा दर्जन माइंस पिछले लगभग 15 दिनों से बंद हैं। इससे करीब डेढ़ हजार ट्रकों का परिचालन प्रभावित है। एसोसिएशन ने कहा कि बॉक्साइट खनन और परिवहन से जुड़े ट्रक मालिकों, लोडर-अनलोडर, चालक, सहचालक, गैरेज, पेट्रोल पंप, मोटर पार्ट्स और टायर दुकानदारों समेत बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। संगठन का दावा है कि इससे करीब 50 हजार लोग प्रभावित हैं। प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद धीरज प्रसाद साहू ने गुमला उपायुक्त से इस मुद्दे पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि वे भी अपने स्तर से सरकार को इस समस्या से अवगत करा रहे हैं और मुख्यमंत्री तथा राज्य के वरीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गुमला में जल्द डीएमओ की पदस्थापना कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बॉक्साइट खनन और परिवहन का काम शुरू हो सके तथा प्रभावित लोगों का रोजगार सुचारु हो सके। प्रतिनिधिमंडल में लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव मुद्रिका यादव, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष इम्तियाज उर्फ बबलू, सहसचिव बरज सिंह, रहमत अंसारी, मीडिया प्रभारी राजेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

गोला नर्सिंग होम में अल्ट्रासाउंड व डिजिटल एक्स-रे मशीन का उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

विधायक ममता देवी ने फीता काटकर किया शुभारंभ
मरीजों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी आधुनिक जांच सुविधा

रामगढ़/गोला। गोला मेन रोड स्थित गोला नर्सिंग होम में रविवार को अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड एवं डिजिटल एक्स-रे मशीन का विधिवत उद्घाटन रामगढ़ विधायक ममता देवी ने फीता काटकर किया। नई जांच सुविधाओं के शुरू होने से गोला एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को अब आधुनिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। उद्घाटन के दौरान विधायक ममता देवी ने कहा कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार समय की आवश्यकता है। आधुनिक जांच मशीनों की उपलब्धता से मरीजों को जांच के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। इससे मरीजों के समय और आर्थिक खर्च दोनों की बचत होगी। नर्सिंग होम प्रबंधन ने बताया कि अल्ट्रासाउंड एवं डिजिटल एक्स-रे मशीन के माध्यम से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। आधुनिक जांच व्यवस्था से चिकित्सकों को बीमारी की सही पहचान करने तथा मरीजों के बेहतर उपचार में भी सहूलियत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने गोला में आधुनिक जांच सुविधा शुरू होने का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल बताया। मौके पर नर्सिंग होम के संचालक कमलेश कुमार महतो, उपप्रमुख विजय कुमार ओझा, संतोष सोनी, अकबर अंसारी, गुलाम अंसारी सहित चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी एवं अन्य स्टॉफ मौजूद थे।

गोला में श्रावणी मेले का भव्य शुभारंभ, विधायक एवं सांसद प्रतिनिधि ने फीता काटकर किया उद्घाटन

रामगढ़/गोला। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर गोला प्रखंड स्थित महादेव मंडा के समीप श्रावणी मेले का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामगढ़ विधायक ममता देवी एवं विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने विधिवत फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं को को संबोधित करते हुए विधायक ममता देवी ने कहा कि श्रावणी मेला हमारी आस्था, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। श्रावण मास में बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। विधायक ने मेला समिति और स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया कि मेले में आने वाले ग्रामीणों की सुविधा, सुरक्षा और पेयजल का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने कहा कि सावन के पावन महीने में श्रावणी मेला के आयोजन में प्रशासन पूरी तरह तत्पर हैं। श्रद्धालुओं के साथ साथ मेले में आये ग्रामीणों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। मेले में बच्चों के झूले, मीना बाजार, मौत का कुआं, जल परी, ब्रेक डांस और विभिन्न प्रकार की दुकानों के स्टॉल लगाए गए हैं। इस उद्घाटन समारोह में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि प्रीतम झा,मगनपुर पंचायत उप मुखिया अकबर अंसारी, प्रखंड कार्यालय प्रभारी गुलाम सरवर, मंडल अध्यक्ष लखेश्वर महतो, मेला संयोजक मुकेश कुमार कुशवाह गुड्डू कुमार, स्थानीय समाज सेवी, मेला समिति के सदस्य, प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारों पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पतरातू: झारखंड आंदोलनकारी एवं समाजसेवी स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि पर पीटीपीएस स्थित विधायक आवासीय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता, समर्थक और क्षेत्रवासी शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा परिसर झारखंड आंदोलनकारी रीझूनाथ चौधरी अमर रहें के नारों से गूंज उठा। श्रद्धांजलि सभा को सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से जोड़ते हुए आयोजकों की ओर से हजारों पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने पिता स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके जीवन में जो भी संस्कार, संघर्षशीलता और जनसेवा की भावना है, वह उनके पिता की देन है। उन्होंने कहा कि अन्याय के विरुद्ध मजबूती से खड़ा होना, जनता के सुख-दुख में सदैव साथ रहना और ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ जनसेवा करना उन्होंने अपने पिता से ही सीखा है। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि उनके पिता का संघर्ष, त्याग, अनुशासन और अटूट संकल्प आज भी उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी भले ही आज शारीरिक रूप से उनके बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, आदर्श और आशीर्वाद हर कदम पर मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन और समाज के लिए स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष, जनसेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने स्वर्गीय रीझूनाथ चौधरी के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जनहित और निःस्वार्थ जनसेवा के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सिद्धिनाथ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, पर्यावरण संयोजक रमेश कुमार सिंह, रामगढ़ जिला पेड़ प्रमुख युगेश्वर महतो, रामगढ़ पेड़ प्रमुख टोली सदस्य बीरबल नायक, रामगढ़ पेड़ प्रमुख टोली सदस्य जगदेव महतो,जिला पार्षद राजाराम प्रजापति, रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष रिद्धि राज,भाजपा पतरातू मंडल अध्यक्ष रंजन भगत, किशोर महतो, महेन्द्र महतो, अनिल राय, आजसू पार्टी केन्द्रीय सदस्य अशोक पाठक, आजसू पार्टी केन्द्रीय सदस्य विंदेश बेदिया, आजसू पार्टी वरिष्ठ नेता रघु महतो, आजसू पार्टी ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष हरि रत्नम साहू, भदानीनगर मंडल अध्यक्ष सोनू कुमार शौर्य, बरकाकाना मंडल अध्यक्ष नुतन महतो, संतोष कुमार शर्मा , युवा भाजपा नेता रितिक चौधरी,सरस्वती देवी, अनिल सोनी, शक्ति सिंह,टिकेश्वर महतो, मिथलेश सिंह, उज्जवल सिंह, संतोष सिंह, राजेश पटेल, डब्ल्यू पांडे, विश्व हिन्दू परिषद दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव , बजरंग दल जिला सह संयोजक किशोर कुमार, विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड अध्यक्ष श्रवण कुमार, विश्व हिन्दू परिषद सदस्य सोनू कुमार, चन्दन कुमार, राहुल कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण सप्ताह व गुरुदक्षिणा कार्यक्रम आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति : प्रवीण भारती

लोहरदगाः पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान के तत्वावधान में आचार्य बालकृष्ण के जन्म दिवस पर वृक्षारोपण सप्ताह एवं गुरुदक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत योगाभ्यास से हुई। इस अवसर पर जिला प्रभारी सह मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती ने आयुर्वेद के क्षेत्र में आचार्य बालकृष्ण के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति को स्वस्थ बनाए रखना और रोगों से बचाव पर जोर देना है। उन्होंने आचार्य बालकृष्ण को योग एवं आयुर्वेद परंपरा का विद्वान बताते हुए उनके द्वारा रचित पुस्तकों और आयुर्वेद संबंधी शोध कार्यों का उल्लेख किया।प्रवीण भारती ने उपस्थित लोगों को गिलोय सहित विभिन्न औषधीय पौधों के उपयोग और उनके बताए गए लाभों की जानकारी दी। उन्होंने औषधीय पौधों के संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर पतंजलि राज्य कार्यकारिणी सदस्य शिवशंकर सिंह एवं पतंजलि जिला प्रभारी अभय भारती ने लोगों के बीच गिलोय का वितरण किया। साथ ही बेल के पौधे भी वितरित किए गए। उपस्थित लोगों ने औषधीय पौधों का संरक्षण करने और गिलोय लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वनवासी कल्याण आश्रम के कृपा प्रसाद सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संचालक सच्चिदानंद अग्रवाल, शिवशंकर सिंह, रघुनंदन शर्मा, दिनेश प्रजापति, राम कुमार, राम सुभग राय, विनय केशरी, अनिल गुप्ता, महेंद्र सहित कई लोग उपस्थित थे।

सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों ने धीरज प्रसाद साहू से की मुलाकात

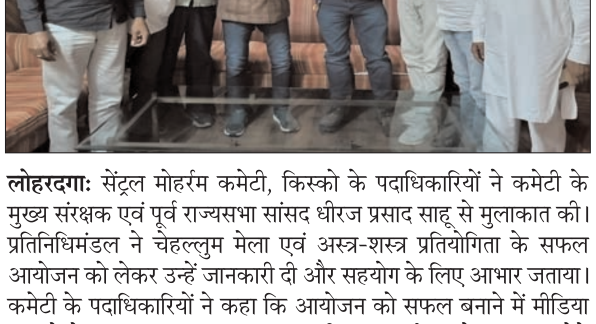

लोहरदगाः सेंट्रल मोहर्रम कमेटी, किस्को के पदाधिकारियों ने कमेटी के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने चेहल्लुम मेला एवं अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर उन्हें जानकारी दी और सहयोग के लिए आभार जताया। कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि आयोजन को सफल बनाने में मीडिया बंधुओं के साथ-साथ आम जनता का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने आयोजन में सहयोग और समर्थन देने वाले सभी लोगों को मुबारकबाद देते हुए आभार व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान कमेटी के अध्यक्ष रौनक इकबाल अंसारी, सचिव साकिर हुसैन अंसारी, खजांची तफज्जुल इकराम, संयोजक कुद्दुश अंसारी, महामंत्री निजाम अंसारी, महासचिव हाफिजुल अंसारी, संरक्षक रुस्तम अंसारी एवं संरक्षक हातिम अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

छात्र आंदोलन पर बोले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, सीएम हेमंत की बातों पर करें भरोसा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में जारी छात्र आंदोलन के बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आंदोलनरत छात्र-छात्राओं से संयम बरतने और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दिए गए आश्वासन पर भरोसा रखने की अपील की है. राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील हैं और उनके आंदोलन को लेकर चिंतित भी हैं. सरकार की ओर से समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है.

सबको है मांगों पर आंदोलन करने का अधिकारः राज्यपाल

राज्यपाल ने छात्रों से कहा कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाना अधिक प्रभावी होगा. उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को लेकर वह भी गंभीर हैं और जरूरत पड़ने पर छात्र सीधे उनसे मुलाकात कर अपनी बात रख सकते हैं.

सीएम के आश्वासन पर भरोसा करें

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आंदोलनरत छात्रों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बातों पर भरोसा रखने की अपील की. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छात्रों को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया है. ऐसे में छात्रों को सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन पर विश्वास रखना चाहिए. राज्यपाल के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों के मामले को लेकर काफी संवेदनशील हैं. वह पूरे विषय को गंभीरता से देख रहे हैं और समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे सरकार की कार्रवाई का इंतजार करते हुए संयम बनाए रखें.

छात्रों के आंदोलन को लेकर सीएम चिंतित

राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्र आंदोलन को लेकर चिंतित हैं. सरकार इस विषय को हल्के में नहीं ले रही है. छात्रों की ओर से उठाई जा रही मांगों और उनके अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है. उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान बातचीत और आपसी संवाद से निकाला जा सकता है. इसलिए छात्रों को अपनी बात मजबूती से रखने के साथ-साथ बातचीत के रास्ते को भी खुला रखना चाहिए.

छात्र उग्र न हों, संयम बनाए रखें

राज्यपाल ने आंदोलनरत छात्रों से उग्र नहीं होने की अपील की. उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए. उन्होंने कहा कि आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन किसी भी स्थिति में ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे समस्या और जटिल हो. उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है. सरकार और प्रशासन उनके मुद्दों को सुन रहे हैं. ऐसे में संयम के साथ आगे बढ़ना ही उचित रास्ता होगा. राज्यपाल के संदेश में संवाद पर विशेष जोर रहा. उन्होंने छात्रों से कहा कि यदि उन्हें लगता है कि उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है, तो वे सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर अपनी बात रख सकते हैं.

सीधे सीएम से मिलने की सलाह

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्रों को सुझाव दिया कि यदि उन्हें सरकार की कार्रवाई या बातचीत से संतुष्टि नहीं मिलती है, तो वे मुख्यमंत्री से सीधे मुलाकात करें. उन्होंने कहा कि अपनी समस्याओं और मांगों को मुख्यमंत्री के सामने रखना समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है.

खतरे के निशान के करीब पहुंचा कांके डैम, सुरक्षा जांच के लिए हुई मॉक ड्रिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची में लगातार हो रही बारिश के कारण कांके डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. डैम का जलस्तर रविवार को 26.3 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसकी कुल भंडारण क्षमता 28 फीट है. ऐसे में डैम की क्षमता से अब करीब डेढ़ फीट पानी ही कम रह गया है. जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने सुरक्षा तैयारियों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है.

डैम परिसर में हुई मॉक ड्रिल

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए रविवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से कांके डैम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और आपात स्थिति से निबटने की तैयारियों की जांच के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गयी. इस दौरान विभाग के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने डैम से जुड़े सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली की जांच की.

स्कावर वॉल्व की ग्रीसिंग कर जांची कार्यप्रणाली

मॉक ड्रिल के दौरान गोंदा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थित डैम गेट के पास स्कावर वॉल्व की ग्रीसिंग की गयी. इसके बाद वॉल्व की कार्यप्रणाली को जांचने के लिए उसकी टेस्टिंग भी की गयी. विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जरूरत पड़ने पर डैम से संबंधित सभी तकनीकी उपकरण सुचारू रूप से काम करें.

आपात स्थिति के लिए सायरन की भी टेस्टिंग

डैम के आसपास के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को आपात स्थिति में सतर्क करने के लिए लगाये गये सायरन की भी टेस्टिंग की गयी. अधिकारियों ने यह जांचा कि किसी संभावित आपात स्थिति में सायरन के माध्यम से लोगों तक समय पर चेतावनी पहुंचायी जा सके.

जलस्तर पर लगातार नजर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि सुरक्षा से संबंधित रखरखाव और जांच के सभी कार्य संतोषजनक तरीके से पूरे कर लिये गये हैं. विभाग की टीम कांके डैम के जलस्तर पर लगातार नजर रख रही है. बारिश की स्थिति और जलस्तर में होने वाले बदलाव के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी.

गांव की ओर बढ़े गजराज, दहशत में ग्रामीण, धान की फसल बचाने के लिए रातभर देते रहे पहरा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के बेड़ो इलाके में जंगल से भटक कर दो विशालकाय हाथी कैरो गांव में प्रवेश कर गए. शनिवार की देर रात तक दोनों ही हाथी गांव के आसपास ही जमे रहे. इस वजह से ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है. ग्रामीण अपने धान की फसल को लेकर खासे चिंतित हैं.

दो हाथी घूम रहे गांव में

रांची के बेड़ो प्रखंड के कैरो गांव में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जंगल से निकलकर दो जंगली हाथी गांव के करीब पहुंच गए. दोनों हाथी दिनभर पारस डैम के समीप जंगल किनारे और गांव के आसपास विचरण करते रहे. हाथियों के गांव में पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मशाल के सहारे हाथियों को खेत की तरफ से भगाने की कोशिश में जुटे रहे, लेकिन हाथी नहीं हटे. हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. वहीं खेतों में लगी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता भी बढ़ गई. ग्रामीणों को आशंका है कि यदि हाथियों का झुंड खेत की तरफ आया तो खेतों में लगी धान की फसल को भारी नुकसान पहुंच सकता है.

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम

दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया रमेश उरांव ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी. जानकारी मिलते ही वन विभाग के कर्मी हाथी भगाओ दस्ते के साथ कैरो गांव पहुंचे. टीम ने मौके पर पहुंचकर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी.वन विभाग की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार ग्रामीणों से हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है. पुलिसकर्मियों ने भी ग्रामीणों को हाथियों के करीब जाने मना किया है.

रात को जंगल की ओर खदेड़ा

वन विभाग के कर्मियों और हाथी भगाओ दस्ते की टीम शनिवार को दिनभर दोनों हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखा. शाम होते ही टीम ने रणनीति के तहत पटाखे और मशाल जलाकर हाथियों को कैरो गांव से दूर खदेड़ना शुरू किया.

जल, जंगल और जमीन की रक्षा का लिया संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस एवं विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को तमाड़ प्रखंड के रायडीह में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व झारखंड प्रदेश युवा इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत कुमार सिंह एवं युवा कांग्रेस तमाड़ प्रखंड उपाध्यक्ष रौशन कामती ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकताओं एवं स्थानीय ग्रामीणों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया। साथ ही जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। मौके पर कयूम अंसारी, सुरेन दास, सुबोध कसेरा, मोती साहू, जितेन, हीरा साहू, सन्नी, परितोष समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

नगाड़ों से गूंजा मोरहाबादी मैदान, दिखी झारखंड की आदिवासी कला-संस्कृति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। मोरहाबादी मैदान में झारखंड आदिवासी महोत्सव में रविवार को झारखंड की आदिवासी कला, संस्कृति और परंपराओं का गवाह बना. झारखंड आदिवासी महोत्सव में राज्यभर से आए आदिवासी समाज के कलाकार पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ शामिल हुए. मैदान में छोटे-बड़े करीब एक हजार नगाड़ों की गूंज सुनाई दी. अलग-अलग स्थानों पर नगाड़ा और मांदर की टीमों ने पारंपरिक धुनें बजाईं. महिला और पुरुष कलाकारों ने भी उत्साह के साथ नगाड़ा और मांदर बजाया.

पहली बार एक मंच पर दिखे 32 जनजातीय समुदाय

महोत्सव में पहली बार राज्य के 32 जनजातीय समुदायों की पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति को एक मंच पर प्रदर्शित किया गया. अलग-अलग समुदायों के लोग अपनी पारंपरिक पहचान और वाद्ययंत्रों के साथ पहुंचे. महोत्सव में पांच जनजातीय भाषाओं से जुड़ी गतिविधियों के साथ पेंटिंग कलाकारों ने भी अपने कैनवास लगाए.

छह हजार कलाकारों ने दी प्रस्तुति

महोत्सव में करीब छह हजार कलाकार अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ शामिल हुए. पूरे मैदान में अलग-अलग समूहों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से आदिवासी कला और परंपरा की झलक देखने को मिली. पारंपरिक गीत, नृत्य और वाद्ययंत्रों की धुनों ने पूरे परिसर को आदिवासी उत्सव के रंग में रंग दिया. महोत्सव में आदिवासी समाज के हक-अधिकार की लड़ाई और संघर्ष की कहानी को भी प्रदर्शित किया गया. करीब 10 मिनट के ऑडियो-विजुअल के जरिए पद्म श्री शिबू सोरेन के संघर्ष और बलिदान को भी दिखाए गए. इसके अलावा 1857 की क्रांति, बिरसा मुंडा के उलगुलान और अन्य आदिवासी वीर सपूतों के संघर्ष और बलिदान को भी झारखंड आदिवासी महोत्सव के मंच से याद किया गया. महोत्सव के दौरान विभिन्न आदिवासी संगठनों ने भी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ भागीदारी की. अरगोड़ा क्षेत्र से सैकड़ों आदिवासी समाज के लोग पैदल मार्च करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंच. यहां परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया.

आर्चबिशप हाउस पहुंचे सीएम सहायक बिशप आनंद डेविड खल्खो को दी बधाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची स्थित आर्चबिशप हाउस में रांची महाधर्मप्रांत के नवनियुक्त सहायक बिशप आनंद डेविड खल्खो के अभिषेक और प्रतिष्ठापन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त सहायक बिशप आनंद डेविड खल्खो को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि यह उनके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. मुख्यमंत्री ने उनके सफल कार्यकाल और समाज की सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर धार्मिक समुदाय के लोगों और अन्य गणमान्य लोगों की भी मौजूदगी रही. समारोह में प्रार्थना और धार्मिक विधियों के साथ आनंद डेविड खल्खो को रांची महाधर्मप्रांत का सहायक बिशप नियुक्त किया गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए नवनियुक्त सहायक बिशप को बधाई दी. उन्होंने अपने संदेश के अंत में जोहार भी कहा.

पारस एचईसी हॉस्पिटल में झारखंड का पहला रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम शुरू, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची ने झारखंड में पहली बार रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम की शुरूआत की है। इस नई तकनीक के जरिए अब राज्य के मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं होगी। इसका उद्घाटन झारखंड के माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे झारखण्ड में आधुनिक एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का समावेश मरीजों को अधिक सटीक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में सहायक है। राज्यपाल ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी चिकित्सा विज्ञान में तकनीकी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे जटिल शल्य-चिकित्साओं में चिकित्सकों को अधिक सटीकता के साथ कार्य करने में सहायता मिलती है तथा मरीजों को अपेक्षाकृत कम चीरा, कम पीड़ा एवं शीघ्र रिकवरी जैसे लाभ मिल सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सुविधा से झारखण्ड के मरीजों को उन्नत शल्य-चिकित्सा सेवाएं राज्य में ही उपलब्ध होंगी।

राज्यपाल ने कहा वे चाहते हैं कि झारखण्ड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसा वातावरण एवं ऐसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं विकसित हों कि राज्य के लोगों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता न पड़े। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को इस स्तर तक पहुंचाया जाए कि देश के अन्य राज्यों से भी लोग उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए झारखण्ड आएं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड को चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सभी संबंधित संस्थानों को मिलकर कार्य करना चाहिए। राज्यवासियों को अब रांची में विश्व स्तरीय रोबोटिक सर्जरी की सुविधा मिलेगी हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत स्वास्थ सेवा में एक बड़ा कदम है। इससे इलाज सटीक और सुरक्षित तरीके से होगा। मरीज को अगर समय पर इलाज मिल जाए तो वह जल्द ठीक हो जाता है। पारस हॉस्पिटल इस दिशा में आगे बढ़ चुका है। मरीजों को रांची में विश्व स्तरीय इलाज मिल रहा है। अब मरीजों को राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पारस हेल्थ के मैनेजिंग डायरेक्टर धर्मेंद्र नागर ने कहा कि यह झारखंड का पहला रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी प्रोग्राम है। इस अत्याधुनिक रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से जनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजी, यूरोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और ऑथोर्पेडिक्स समेत अधिकांश विभागों में रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी की जा सकेगी। मशीन इन सभी प्रकार की जटिल सर्जरी करने में सक्षम है।

मां दिऊड़ी मंदिर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का एसडीएम ने किया निरीक्षण

तमाड़. प्रसिद्ध ऐतिहासिक मां दिऊड़ी मंदिर परिसर में करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य कराया जा रहा है. शनिवार को बुंडू एसडीएम मोहन लाल मरांडी ने मंदिर परिसर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया. उनके साथ तमाड़ बीडीओ अनिल कुमार मिंज भी मौजूद थे. निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मंदिर परिसर में चल रहे विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की जानकारी ली. उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मियों को कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित मानकों के अनुरूप काम करने का निर्देश दिया.

जन समस्याओं को लेकर आजसू पार्टी का 10 अगस्त को पैदल मार्च

तमाड़। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जन समस्याओं को लेकर आजसू पार्टी द्वारा 10 अगस्त 2026 को पेड़ाईडीह से झारखंड विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। पार्टी का कहना है कि क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्याओं को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने के उद्देश्य से यह मार्च आयोजित किया जा रहा है। आजसू पार्टी की प्रमुख मांगों में सलगांडीह नहर-सड़क पथ का निर्माण, तमाड़ में डिग्री कॉलेज की स्थापना, तमाड़ राजा बांध में टूटे गार्डवाल एवं सड़क का निर्माण, तमाड़ पूर्वी तथा बिरबांकी को अलग प्रखंड का दर्जा देने की मांग शामिल है। इसके अलावा बुंडू बड़ा तालाब का सौंदर्यीकरण, घटाले मामले की उच्चस्तरीय जांच, बुंडू अनुमंडल में जेल, कोर्ट एवं ट्रेजरी का निर्माण, बुंडू अनुमंडल अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर को पूर्ण रूप से चालू करने तथा क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की मांग भी उठाई जाएगी। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह झारखंड आंदोलनकारी हीरालाल दास ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था की उदासीनता के कारण जनहित के कई महत्वपूर्ण कार्य लंबित हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए पैदल मार्च का आयोजन किया जा रहा है। हीरालाल दास ने तमाड़ विधानसभा क्षेत्र की जनता, आजसू पार्टी के तमाम पदाधिकारियों एवं कर्मठ कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में पैदल मार्च में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

देशभक्ति के जोश में निकाली गई तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा राजधानी

तिरंगा हमारी शान है : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रविवार को राजधानी रांची देशभक्ति के रंग में डूबी नजर आई. शहर में निकाली गई तिरंगा यात्रा में रक्षा राज्य मंत्री के साथ बड़ी संख्या में आम लोग, युवा और बच्चे शामिल हुए. हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था. यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा.

तिरंगा यात्रा में शामिल रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है. हाथ में तिरंगा आते ही मन में देश के प्रति गौरव और सम्मान का भाव पैदा होता है. उन्होंने कहा कि जब देशवासी एक साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते हैं, तो राष्ट्रभक्ति की भावना और मजबूत होती है. देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों का जिक्र करते हुए कहा कि हजारों किलोमीटर लंबी सीमा पर हमारे जवान बेहद कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं. माइनस 40 डिग्री तापमान में भी सैनिक अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते. उनके लिए सबसे ऊपर देश और भारत माता है. ऐसे में देशवासियों का भी कर्तव्य है कि वे राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को समझें.

देशभर में तिरंगा यात्रा का संदेश

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं. इन यात्राओं का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय भावना और देश के प्रति जागरूकता को और मजबूत करना है. उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है. आजादी के अमृत काल में देश में गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में औपनिवेशिक मानसिकता से जुड़े कई प्रतीकों और सोच में बदलाव लाने का प्रयास किया गया है. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता 7 रेस कोर्स रोड से बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया. इसी तरह कई राजभवनों को लोक भवन के नाम से जाना जाने लगा है.

'राज नहीं, कर्तव्य पर जोर'

संजय सेठ ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए लोगों में कर्तव्य भाव का होना जरूरी है. केवल अधिकारों की बात करने के बजाय नागरिकों को अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा. जब प्रत्येक नागरिक देश के प्रति अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देंगे, तभी राष्ट्र मजबूत होगा. तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए. युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला. यात्रा ने राजधानी के माहौल को पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर कर दिया.

रांची में सजा सावन मिलन का रंग, हरे परिधानों में सखियों ने बांधा समां

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सावन की फुहारों के बीच सखियों के एक समूह ने आपसी प्रेम, सौहार्द और उमंग के साथ एक मनमोहक सावन मिलन समारोह का आयोजन किया. कार्यक्रम की शुरूआत वंदना से हुई, जिसके बाद नृत्य, गायन, नाटक एवं शायरी की शानदार प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चाँद लगा दिए.

हरे परिधानों में सखियों ने बिखेरी हरियाली की छटा

सखियों ने सावन की मस्ती और हरियाली को अपनी प्रस्तुतियों में जीवंत करते हुए गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से समां बांध दिया. कार्यक्रम में हरी-भरी साड़ी, सलवार-सूट और हरे रंग के गहने जैसे पारंपरिक परिधानों ने भी सावन की रंगत को और निखार दिया.

सखियों की प्रस्तुतियों ने माहौल में भरा उल्लास

इंटरनेशनल होटल के रंगमंच को हरियाली और सावन की खूबसूरत सजावट से सजाकर मनमोहक रूप दिया गया था. सखियों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा से पूरे वातावरण को उल्लास और उत्साह से भर दिया.

सखियों ने सावन उत्सव में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

समारोह में शामिल सखियों ने एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटते हुए सावन के इस अवसर को यादगार बनाया. कार्यक्रम में नतिनी, कृपा, दुर्वा, रागिनी, मालिनी, किरण, मधु, कविता, ज्योति, वीणा, संगीता, पूजा, पिंकी, पायल, पुनम, आशा, ओपल, निर्मल, मेघा, विनिता, सुनीता, अंजू, मीतू, सोनील, सौम्या, रंजना, सुभाषिनी, पिंका, अवश्री, अर्चिता, बबली, रूबी, शोभा, मानसा और प्रीति सहित अनेक सखियों की सहभागिता रही.

तीनपहाड़ के बभनगामा मोड़ में निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर में हुआ कांवरियों का भव्य स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल गंगा घाट से लेकर बाबा गजेश्वर नाथ धाम, शिवगादी तक गूंजा बोल बम

तीनपहाड़/साहिबगंज। सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर राजमहल के उत्तरवाहिनी गंगा तट से बरहेट स्थित शिवगादी धाम तक कांवरियों का पैदल यात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। बाबा को जलाभिषेक करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने राजमहल से गंगाजल उठाया और पैदल कांवर यात्रा शुरू की। इस दौरान तीनपहाड़ में लगाए गए निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख पड़ाव बना रहा।उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाने के बाद कांवरियों का जत्था राजमहल बाजार, काजीगांव, पड़रिया, लालबन, बभनगामा मोड़, तीनपहाड़ बैंक मोड़, सगड़भंगा और धौगड़ा पहाड़ होते हुए बरहेट के शिवगादी धाम की ओर रवाना हुआ। इसी मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं कि सेवा एवं स्वागत की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं बभनगामा मोड़ स्थित तीनपहाड़ कॉलेज के समीप हर वर्ष की तरह इस बार भी निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन साहा कोचिंग के संचालक राम गोपाल साहा ने फीता काटकर किया। उन्होंने बताया कि ये सेवा 2011से लगातार किया जा रहा है।यहां कांवरियों के लिए भव्य भंडारा, चाय-नाश्ता, पेयजल, विश्राम, मालिश तथा भक्ति गीतों का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों पर कांवरियों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और सेवा व्यवस्था के लिए आयोजन समिति के सदस्यों का आभार जताया।आयोजकों के अनुसार यह सेवा शिविर वर्ष 2011 से लगातार कांवरियों की सेवा करता आ रहा है। उद्घाटन के मौके पर सिद्धार्थ यादव उर्फ बल्ला, जितेंद्र महतो उर्फ बाया, हरि महतो, शिव मंदिर महतो, चंदन श्रीवास्तव, अजय कुमार सोनी,राहुल यादव, पप्पू डीजे, अमन कुमार सहित अन्य शिवभक्त मौजूद रहे। वहीं तीनपहाड़ बैंक मोड़ के समीप पुलिया पर भी कांवरियों के लिए निशुल्क सेवा शिविर लगाया गया। यहां चाय-नाश्ता, गर्म पानी, ठंडा पानी एवं उपचार की व्यवस्था रही। साथ ही भंडारे का भी आयोजन किया गया। आयोजकों के अनुसार बरहेट जाने वाले करीब पांच हजार कांवरियों को शिविर के माध्यम से सेवा दी गई। शिविर को सफल बनाने में राजकुमार सोनी, पिंटू यादव, श्याम यादव, शंकर गुप्ता, अरुण सोनी, रामदुलार सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।वहीं 54 फीट कांवर के साथ निकली सत्य सनातन यात्रा बोरियो की 54 फीट सत्य सनातन कांवर यात्रा भी इस दौरान आकर्षण का केंद्र रही। शनिवार देर शाम बोरियो से श्रद्धालुओं का जत्था राजमहल के लिए रवाना हुआ रविवार की अहले सुबह करीब चार बजे श्रद्धालुओं ने राजमहलउत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाया और 54 फीट कांवर के साथ शिवगादी धाम के लिए प्रस्थान किया। यात्रा राजमहल से होते हुए बभनगामा मोड़ स्थित निशुल्क सेवा शिविर पहुंची। यहां विश्राम करने के बाद कांवरियों का जत्था रामचौकी, वृंदावन होते हुए बोरियो की ओर आगे बढ़ा, जहां से श्रद्धालु बरहेट स्थित शिवगादी बाबा गजेश्वर नाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे। यात्रा में टुनटुन साह, संतोष साह, सुमित साह, रामप्रसाद दत्त, अनंत रक्षित, मिथुन यादव, सुनील हरिजन, अमित कुमार, सरलजीत हरिजन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। विशाल कांवर और हजारों श्रद्धालुओं का जत्था आकर्षक धार्मिक दृश्य देखने को मिला।पूरे कांवर मार्ग में हरबोल बमबम और हर हर महादेवह्न के जयघोष गूंजते रहे और सावन की दूसरी सोमवारी पर तीनपहाड़ से लेकर शिवगादी धाम तक श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

तिनपहाड़-राजमहल रेलखंड पर बड़ा बदलाव, फाटक संख्या 49 बंद; नया अंडरपास शुरू

साहिबगंज। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय के नेतृत्व में मालदा मंडल ने तिनपहाड़ और राजमहल के बीच समपार फाटक संख्या 49 को स्थायी रूप से बंद कर एक नए सीमित ऊँचाई वाले सबवे का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया है। नए अंडरपास के निर्माण और कमीशनिंग का कार्य पूरा होने के बाद 5 अगस्त, 2026 को समपार फाटक को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। यह कार्य मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पूरा किया गया। यह वैकल्पिक सुविधा स्थानीय सड़क उपयोगकताओं को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए बिना गेट पर प्रतीक्षा किए अधिक सुरक्षित, मौसमरोधी और विश्वसनीय मार्ग उपलब्ध कराती है। समपार फाटक 49 को स्थायी रूप से हटाए जाने से रेलवे सुरक्षा और परिचालन दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार होगा। सतह पर रेलवे ट्रैक और सड़क के प्रत्यक्ष संपर्क को समाप्त करने से ट्रेनों के परिचालन में कम व्यवधान आएगा, वहीं पैदल यात्रियों और वाहनों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, ₹इस अंडरपास का सफल उद्घाटन और समपार फाटक को बंद किया जाना हमारी निरंतर सुरक्षा मुहिम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम स्थानीय समुदाय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं, जिसने हमें अधिक सुरक्षित और कुशल परिवहन नेटवर्क के निर्माण में सहायता की।

राजमहल में दर्दनाक हादसा: पतंग निकालने पेड़ पर चढ़ा 15 वर्षीय किशोर, 11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से मौत

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के मटियाल (चहरबन्ना, वार्ड नंबर 12) में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की जान चली गई। मृतक की पहचान मटियाल निवासी मुख्तार शेख के पुत्र समीउल शेख के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

पतंग निकालने के दौरान हुआ हादसा- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, समीउल शेख अपने घर के आसपास दोस्तों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसकी पतंग पास के ही एक पेड़ में जाकर फंस गई। पतंग को बाहर निकालने के लिए समीउल पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ के बिल्कुल करीब से गुजर रहे High-Voltage (11 हजार वोल्ट) बिजली के तार से उसका शरीर स्पर्श हो गया। तेज करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और अनियंत्रित होकर पेड़ से नीचे आ गिरा।

अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया हादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीण आनन-फानन में समीउल को राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल के डॉक्टर उदय टुडू ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा- घटना की जानकारी मिलते ही राजमहल थाना के एसआई एसके तिर्की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक-हादसे की खबर मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद केताबुद्दीन शेख और स्थानीय वार्ड पार्षद राजू सरकार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। ग्रामीणों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र और पेड़ों के इतने करीब से 11 हजार वोल्ट की नंगी तारें गुजर रही हैं, जो हर वक्त किसी बड़े हादसे को न्योता देती हैं। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से तारों की तुरंत जांच कराने, इंसुलेटेड केबल लगाने और इलाके में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से टोटो दुर्घटनाग्रस्त, चालक समेत दो छात्राएं गंभीर घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।पतना प्रखंड अंतर्गत दिग्गी के समीप बाँझी जाने वाले मार्ग पर रविवार को अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से एक टोटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में टोटो चालक समेत उसमें सवार दो स्कूली छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, टोटो चालक रतन साहा होली फैमिली स्कूल से बच्चों को उनके घर पहुंचाने जा रहे थे। इसी दौरान दिग्गी के समीप बाँझी की ओर जाने वाले मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने टोटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोटो क्षतिग्रस्त हो गया और चालक रतन साहा के सिर में गंभीर चोट आई। वहीं, टोटो में सवार दो स्कूली छात्राएं भी हादसे में घायल हो गईं। दोनों छात्राएं केलाबाड़ी क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही हैं।दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को दुर्घटनाग्रस्त टोटो से बाहर निकाला और इलाज के लिए बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा रांगा थाना पुलिस को दे दी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार और यातायात व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई है।

साहिबगंज में सजी आदिवासी संस्कृति की भव्य झलक, लोकनृत्य-संगीत से गूंजा सिद्धो-कान्हू सभागार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।आदिवासी संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और पारंपरिक जीवन दर्शन की समृद्ध विरासत को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को सिद्धो कान्हू सभागार में जिला प्रशासन की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां इस कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास समेत अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उधर जेएसएलपीएस की ओर से उपायुक्त दीपक कुमार दुबे को सखुआ पत्ता से बना हुआ टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। उधर कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, लोक संस्कृति, कला, नृत्य संगीत और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। जहां कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति की विशिष्ट पहचान और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की जीवनशैली सदियों से प्रकृति के संरक्षण और उसके साथ सामंजस्य पर आधारित रही है। जहां। जल, जंगल और जमीन के प्रति सम्मान तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की भावना आदिवासी जीवन दर्शन की महत्वपूर्ण विशेषता है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी परंपरा और विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। जहां पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य और लोकगीतों ने सभागार में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। उधर कार्यक्रम के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों, परंपराओं और विरासत से जोड़ने का संदेश दिया गया। जिला प्रशासन की ओर से आदिवासी संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और उसके गौरव को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया। उधर कार्यक्रम में जिला प्रशासन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। जहां पूरे कार्यक्रम के दौरान आदिवासी संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

बिंदुधाम मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन, युवाओं ने बढ़ - चढ़कर लिया हिस्सा

बरहरवा/साहिबगंज। बिंदुधाम मंदिर परिसर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी एवं बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद संजय गोस्वामी ने अपने ओजस्वी संबोधन के माध्यम से युवाओं एवं सभी रक्तदाताओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने युवाओं से आगे बढ़कर नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य मुख्य अतिथियों ने भी अपने - अपने संबोधन के माध्यम से लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया तथा अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की। शिविर में समाजसेवी एवं आयोजनकर्ता शक्ति नाथ अमन, भरत भैया, दिनेश कर्मकार, महेश भैया, ऋषि सर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर के दौरान रांगा थाना प्रभारी अखिलेश यादव ने स्वयं रक्तदान कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में मदद कर सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से आगे बढ़कर नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। शिविर के आयोजन को लेकर युवाओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। आयोजकों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंदों तक समय पर रक्त पहुंचाना इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य है।

प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में हुआ विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

कृष्ण कांत कुमार अध्यक्ष तथा संगीता देवी को उपाध्यक्ष बनाया गया

राजमहल/साहिबगंज। झारखंड शिक्षा परियोजना, रांची के निदेर्शानुसार शनिवार को राजमहल प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही।सर्वसम्मति से कृष्ण कांत कुमार को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा संगीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया।समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) राजमहल द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह सीआरसी सुबास मरांडी की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ-साथ अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। पर्यवेक्षक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रों की नियमित उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कृष्ण कांत कुमार ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, प्रकाश मंडल, सोनाली देवी प्रीति देवी अंबिका कुमारी गुड्डू मंडल प्रेमलता कुमारी सहित कई अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

तीनपहाड़ झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने नए थाना प्रभारी गौरव कुमार का किया स्वागत

तीनपहाड़/साहिबगंज। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन, तीनपहाड़ इकाई के सदस्यों ने रविवार को तीनपहाड़ थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी गौरव कुमार को बुके देकर स्वागत किया।इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में थाना प्रभारी गौरव कुमार ने कहा कि पुलिस और पत्रकार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों के आपसी तालमेल से ही क्षेत्र में सुदृढ़ और बेहतर कानून व्यवस्था बहाल करने में आसानी होगी।उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन आमजन के हित में कार्य करने के लिए बाध्य है और हर संभव सहयोग किया जाएगा।अंत में थाना प्रभारी ने स्वागत के लिए सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया।

क्रिकेट मैच के जरिए स्वच्छता का संदेश, नगर परिषद बनाम मीडिया के बीच हुआ फ्रेंडली मैच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

अंतिम गेंद तक रोमांचक रहा मुकाबला, नगर परिषद एकादश ने 1 रन से दर्ज की जीत

साहिबगंज। नगर परिषद की ओर से रविवार को स्वच्छता अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत सिदो कान्हु स्टेडियम में नगर परिषद एकादश बनाम मीडिया एकादश के बीच फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। क्रिकेट मैच का उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान व कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने दोनों टीमों से परिचय प्राप्त करके ओर बैट से बोल मारकर किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मीडिया एकादश की टीम ने 12 ओवर में 67 रन बनाया। जवाब में अंतिम बॉल तक चले रोमांचक मुकाबले में नगर परिषद की टीम 68 रन बनाकर विजय हुई। वही विजेता नगर परिषद एकादश ओर उपविजेता मीडिया एकादश को अध्यक्ष व कार्यपालक पदाधिकारी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वही स्टेडियम में उपस्थित क्रिकेट प्रेमियों ने मैच देखकर कहा कि अंतिम बॉल तक काफी रोमांचक मैच हुआ। वही अध्यक्ष ने शहरवासियों से अपील किया कि शहरवासी कूड़ा कचरा घर घर उठाव करने वाले वाहन में दे, इधर उधर कूड़ा कचना न फेंके, सफाई अपनाए ओर बीमारी को साहिबगंज से दूर भगाए। मौके पर सिटी मैनेजर रवि कुमार, वार्ड पार्षद चमरू उरांव, पार्वती उरांव, दीपा देवी, हिमांशु, अकबर, मनी प्रकाश, सोनू हरि, सोनू मंडल सहित नगर परिषद कर्मी व मीडिया साथी उपस्थित थे।

तीनपहाड़ थाना को मिला नया प्रभारी, गौरव कुमार भगत ने संभाला पदभार

तीनपहाड़/साहिबगंज।तीनपहाड़ थाना के नए थाना प्रभारी के रूप में शुक्रवार देर रात गौरव कुमार भगत ने योगदान दिया। उन्होंने निवर्तमान थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय से विधिवत पदभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने थाना क्षेत्र का निरीक्षण कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।गौरव कुमार भगत ने कहा कि अवैध कारोबारियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बेहतर समन्वय से ही क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा कायम रखी जा सकती है।

कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, दो देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जिले में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत साहिबगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड में संलिप्त एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के शांतिनगर निवासी सुबोध मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से दो अवैध देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया हैं। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने रविवार को जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि राजमहल थाना कांड संख्या 174/25 के मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी विष्णु मंडल से पूछताछ के दौरान कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले। पूछताछ में विष्णु ने पुलिस को बताया कि लूटकांड में इस्तेमाल किया गया देसी कट्टा और कुछ गोलियां सुबोध मंडल के पास हैं। जानकारी के आधार पर साहिबगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। जिरवाबाड़ी और राजमहल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 8 अगस्त को शांतिनगर में छापेमारी कर सुबोध मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो देसी कट्टा और दो जिंदा गोलियां बरामद किया। मामले में जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 146/26, आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) ए/26/35 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी दल में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, एसआई कार्तिक उरांव, ओम प्रकाश चौहान, शिवानंद प्रसाद तथा आरक्षी दीपक कुमार सिंह और राम बिहारी ओझा शामिल थे।

उर्दू मध्य विद्यालय इंग्लिश में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से हुआ प्रबंधन समिति का पुनर्गठन,दुसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष बने सद्दाम हुसैन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा /साहिबगंज।झारखंड शिक्षा परियोजना, रांची के निदेर्शानुसार शनिवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत उर्दू मध्य विद्यालय इंग्लिश में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही। सर्वसम्मति से निर्विरोध दुसरी बार सद्दाम हुसैन को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा नासरीन बिबी को उपाध्यक्ष चुना गया। समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह सीआरसी दिजेद्र नाथ मंडल की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ-साथ अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। पर्यवेक्षक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रों की नियमित उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। इस दौरान प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। मौके पर नसीम शेख, असलम आलम,जाकीर शेख, नसीमा बीबी,जमाल शेख,दिल मोहम्मद, मोजाहिर शेख,रजिया सुल्ताना, फरीदा बीबी,फिरदोसी बीबी, अफरोज आलम, शिक्षक निपेंद्र कुमार दास,नेहरुल इस्लाम, मोखतार शेख, सबाना परवीन, तसलीमा बीबी,सहित कई अभिभावक एवं शिक्षक मौजूद थे।

अमानत दियारा पंचायत के काठाली टोला में ट्रांसफार्मर जल जाने से गांव में छाया अंधेरा

उधवा/साहिबगंज। उधवा प्रखंड क्षेत्र के अमानत दियारा पंचायत अंतर्गत काठाली टोला में बीते दिनों अचानक 63 केवीए का ट्रांसफार्मर जल जाने से गांव में अंधेरा छा गया है। जिससे उपभोक्ता उमस भरी गर्मी में रहने को परेशान है। उपभोक्ताओं की समस्यायों को देखते हुए शनिवार को मुखिया प्रतिनिधि कादिर शेख ने सहायक विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन दिया है। जिसमें बताया है कि बीते 5 अगस्त को अचानक 63 केवीए का ट्रांसफार्मर जल जाने से गांव में अंधेरा छा गया है। जिससे स्कूली बच्चों को पढ़ाई करने में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने उक्त गांव में जल्द-जल्द सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग किया है।

ट्रांसफार्मर पर चढ़ी जंगली लताओं की विद्युत विभाग ने की सफाई, टली आपूर्ति बाधित होने की आशंका

मंडरो/साहिबगंज। मिजाचौकी के चैती दुर्गा रेलवे फाटक के समीप लगे विद्युत ट्रांसफार्मर पर बारिश के मौसम में जंगली लताओं के तेजी से फैलने से विद्युत आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ गई थी। लताएं ट्रांसफार्मर तथा आसपास के विद्युत तारों और उपकरणों तक पहुंच गई थीं। इससे कभी भी विद्युत प्रवाह में अवरोध की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई थी। मामले की जानकारी मिलने पर विद्युत विभाग ने तत्परता दिखाते हुए विद्युत कर्मी छोटू को मौके पर भेजा। छोटू ने ट्रांसफार्मर पर चढ़ी जंगली लताओं को हटाने के साथ आसपास फैली पेड़-पौधों की अनावश्यक डालियों की भी छंटाई की। विभागीय कर्मी की सक्रियता से विद्युत उपकरणों को संभावित नुकसान से बचाने के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने की दिशा में आवश्यक कदम उठाया गया। स्थानीय लोगों ने विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की।

500 टॉपर, हाथों में सम्मान और आंखों में बड़े सपने,गरीब मेधावी बच्ची को लुत्फल हक ने दिया लैपटॉप

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची के हज हाउस में गाला अवार्ड समारोह-2026, झारखंड के मैट्रिक-इंटर के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, करियर काउंसलिंग से दिखाई भविष्य की राह

पाकुड़- एक मंच पर झारखंड के अलग-अलग जिलों से आए करीब 500 टॉपर विद्यार्थी... हाथों में सम्मान और आंखों में भविष्य के बड़े सपने। इसी बीच आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की एक मेधावी बच्ची के हाथ में जब लैपटॉप पहुंचा तो पूरा माहौल भावुक हो उठा। उन्होंने बच्ची को लैपटॉप भेंट कर यह संदेश दिया कि प्रतिभा को केवल सम्मान की नहीं, बल्कि आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधनों की भी जरूरत होती है। रांची के हज हाउस में रविवार को फ्रेंड्स ऑफ वीकर सोसाइटी, रांची की ओर से फेलिसिटेशन, स्कॉलरशिप डिस्ट्रीब्यूशन कम करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत ह्यगाला अवार्ड समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 500 छात्र- छात्राओं को सम्मानित किया गया।

लुत्फल बोले- गरीबी प्रतिभा के रास्ते में दीवार नहीं बने--

समारोह में लुत्फल हक ने मेधावी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया।आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की मेधावी बच्ची को लैपटॉप देते हुए उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल दौर में शिक्षा और तकनीक एक-दूसरे से जुड़ चुके हैं। आर्थिक अभाव के कारण किसी प्रतिभावान बच्चे का सपना अधूरा नहीं रहना चाहिए।उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से ऐसे जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। कहा कि किसी बच्चे को सही समय पर सही संसाधन मिल जाए तो उसकी प्रतिभा को नई उड़ान मिल सकती है।

मंच पर मंत्री,डीआईजी समेत कई गणमान्य लोग---

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हफीजुल हसन, मंत्री,कल्याण विभाग, झारखंड सरकार रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई और अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर रहने के लिए प्रेरित किया।विशेष अतिथि डॉ. नवाज देवबंदी, प्रसिद्ध उर्दू कवि एवं बालिका शिक्षा के प्रबल समर्थक, मौजूद रहे। वहीं शिल्पी नेहा तिर्की, मंत्री, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, शमशेर आलम, उपाध्यक्ष, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग, एम.टी. राजा, विधायक, राजमहल, तथा नौशाद आलम, डीआईजी, विशेष शाखा, रांची ने भी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और संबोधित किया।

समारोह में ये रहे मौजूद...

समारोह में डॉ. माजिद आलम, प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक, डॉ. शम्सुन नहर, प्राचार्य, जे.एन. कॉलेज,धुर्वा, गुलाम समदानी, संयुक्त सचिव, झारखंड राज्य हज समिति, डॉ. आरिफ हबीब, संयुक्त निदेशक, हाइदर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, पिथोरिया, रांची समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्मान के साथ करियर की राह भी दिखाई---

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को केवल सम्मानित ही नहीं किया गया, बल्कि उन्हें आगे की पढ़ाई, करियर चयन और बेहतर भविष्य को लेकर मार्गदर्शन भी दिया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण बनाए रखने की अपील की।

गांव-कस्बों की प्रतिभा को चाहिए अवसर---

समारोह ने यह संदेश भी दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या संपन्न परिवार की मोहताज नहीं होती। झारखंड के छोटे-छोटे गांव और कस्बों से निकलने वाले बच्चे भी अवसर और सही मार्गदर्शन मिलने पर राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

एक लैपटॉप ने समारोह का अर्थ बदल दिया---

करीब 500 विद्यार्थियों को सम्मानित करने वाला यह समारोह अपने आप में खास था, लेकिन जरूरतमंद बच्ची को दिया गया मंच पर सम्मानित होते सैकड़ों टॉपर और उनके बीच एक गरीब बच्ची के हाथ में लैपटॉप-यह तस्वीर शिक्षा के साथ समान अवसर और डिजिटल सशक्तीकरण का संदेश देती नजर आई।लुत्फल हक की यह पहल इस बात की मिसाल बनी कि किसी विद्यार्थी को सिर्फ मंच पर सम्मान देना ही काफी नहीं है।यदि उसके सपनों को पूरा करने के लिए जरूरी साधन भी उपलब्ध करा दिए जाएं, तो वही सम्मान उसके भविष्य की नई शुरूआत बन सकता है।

सड़क हादसे में घायल किशोर की इलाज के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

पाकुड़। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत जयकृष्णपुर उर्फ नारायणखोर पंचायत के साहिल राजा नामक किशोर की सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में भी मातम पसरा हुआ है।बताया जाता है कि शनिवार की रात करीब 10 बजे साहिल राजा बाइक से जा रहा था। इसी दौरान जयकृष्णपुर पंचायत के नया अंजना मोड़ के समीप उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साहिल के सिर में गंभीर चोट आई और वह मौके पर ही बेहोश हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल साहिल राजा को बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।साहिल की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए युवाओं से बाइक चलाते समय सावधानी बरतने और किसी भी तरह के जोखिम भरे स्टंट से बचने की अपील की है।स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण अक्सर हादसे होते हैं। लोगों ने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने तथा अपनी और दूसरों की जिंदगी को खतरे में डालने वाले किसी भी कृत्य से बचने की अपील की है।

सभ्यता सांस्कृतिक पर्यावरण की संरक्षण करे आदिवासी: मनी उरांव

लोहरदगा: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत आदिवासी विद्या पीठ पब्लिक स्कूल मैदान में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सरना समाज के संरक्षक एवं अगुवा मनी उरांव,जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की,रेंजर शंकर उरांव,शिक्षक गंगा उरांव बहुमूल्य समय प्रदान करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ धरती पूजन एवं प्रार्थना से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरना समाज के संरक्षक ने कहा कि आदिवासी पर्यावरण संरक्षक होते है प्राकृतिक की पूजा करते है 9 अगस्त 1982 को सयुक्त राष्ट में पहली बार बात आया कि आदिवासी सभ्यता सांस्कृतिक व पर्यावरण की रक्षा खुद करें। इसके पश्चात 1994 को संयुक्त राष्ट ने विश्व आदिवासी दिवस मनाने की घोषणा किया तब से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है आज के समय में 90 देश में 400 भाषा के साथ आदिवासी विश्व दिवस मना रहें है उन्होंने अभिवाषकों को कहा कि बच्चों को संस्कारिक शिक्षा दें शिक्षा ही समाज की चेतना जागता है और भविष्य निर्माण करता है। जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति,परंपरा,सभ्यता और अधिकारों का संरक्षण करना है। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग और समाज प्रमुख उपस्थित थे। साथ ही समाज के लोगो से अपील करते हुए कहा गया कि इस विश्व आदिवासी दिवस में शतप्रतिशत समाज के सभी लोग हिस्सा लें। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर होने वाले आयोजन को लेकर आदिवासी समाज के गणमान्य लोगों अपना अपना विचार प्रकट करते हुए समाज उत्थान एवं संस्कृति कायम रखने तथा कल्चर को जाने का अपील किया गया। मौके पर आदिवासी छात्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर उरांव,मुखिया धनबाज उरांव, गंगा उरांव,अनिल उरांव, सविता कुमारी,सोमरा उरांव आदि उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर मैना बगीचा में लगाए गए 50 फलदार पौधे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

लोहरदगा: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अमर शहीद वीर बुद्धू भगत प्रतिमा स्थल स्थित ऐतिहासिक मैना बगीचा में नवयुवक सरना समिति की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सदस्यों ने बगीचे में 50 फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और ऐतिहासिक धरोहर को बचाने का संदेश दिया। बताया गया कि कभी फलदार वृक्षों से हरा-भरा रहने वाला मैना बगीचा स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। वर्तमान में बगीचा अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने यहां फलदार पौधे लगाने का निर्णय लिया। समिति पिछले कई वर्षों से मैना बगीचा में करम पूजा का भव्य आयोजन भी करती आ रही है। वृक्षारोपण अभियान के दौरान सदस्यों ने

लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में अभिनव सिद्धार्थ भगत, मनोज सोन तिर्की, साजिद अहमद, मनोज भगत, सुकरा उरांव, सुधीर टोप्पो, सत्यजीत सिंह, दयानंद लकड़ा, बीगू उरांव, बिनोद उरांव, विनय उरांव, संदीप उरांव, विनोद लकड़ा, लाल उरांव, लच्छू उरांव, शंकर उरांव, राखी उरांव, पूजा उरांव, पूर्णिमा उरांव, फागु उरांव, सुषमा उरांव, सुभाष उरांव, अनुज खाखा सहित कई लोग मौजूद थे।

सिंदरी के धार्मिक स्थल बनेंगे पर्यटन केंद्र: विधायक चंद्रदेव महतो की पहल पर पर्यटन विभाग ने शुरू किया सर्वे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर प्रखंड के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ ने किया स्थलीय निरीक्षण।

सिंदरी/बलियापुर: सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और क्षेत्रीय धार्मिक धरोहरों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में विधायक श्री चंद्रदेव महतो ने एक बड़ी पहल की है। उनकी विशेष अनुशंसा एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बलियापुर प्रखंड के कई ऐतिहासिक और पौराणिक धार्मिक स्थलों को भव्य पर्यटन केंद्र के रूप

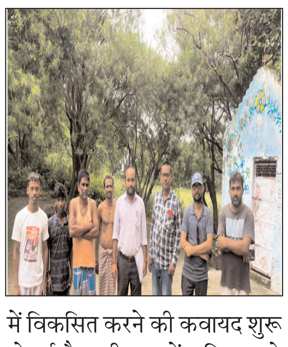

में विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। इसी क्रम में शनिवार को जनसंपर्क एवं पर्यटन विभाग के जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ संतोष कुमार ने विभिन्न चिन्हित स्थलों का दौरा कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया तथा सौंदर्यकरण एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का खाका तैयार किया। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ भाकपा (माले) नेता आशुपति महतो संतोष महतो ,सपन कुमार महतो एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इन प्रमुख स्थलों का होगा कायाकल्प:

विधायक जी की इस योजना के तहत प्रथम चरण में निम्नलिखित प्रमुख स्थलों के सौंदर्यकरण और विकास का कार्य प्रस्तावित है:
बटेश्वर मंदिर (बलियापुर)
खेलाय चंडी मंदिर (पहाड़पुर)
जियारी मेला परिसर (प्रधानखंता)
रतौड़ी थान (बाघमारा)
मड़ई थान (बड़ादाहा)

सांस्कृतिक पहचान के साथ सृजित होंगे रोजगार के अवसर

स्थलीय निरीक्षण के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों ने बताया कि विधायक चंद्र देव महतो के इस दूरदर्शी प्रयास से न केवल हमारे क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र पर्यटन के मानचित्र पर प्रमुखता से उभरेगा। इन स्थलों के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होने से स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से स्वरोजगार तथा आजीविका के नए अवसर पैदा होंगे। क्षेत्रीय जनता एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने विधायक जी की इस ऐतिहासिक पहल का सहर्ष स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

बलियापुर में साइबर ठगी के नेटवर्क का खुलासा, मोबाइल दुकान संचालक समेत 6 गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर /धनबाद। धनबाद के बलियापुर में साइबर ठगी से जुड़े फर्जी सिम कार्ड नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। दूरसंचार विभाग से मिली सूचना के बाद सिंदरी सीडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। जांच में बलियापुर, कालूबथान और पूर्वी टुंडी क्षेत्र के कई लोगों के साइबर ठगी से जुड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने बलियापुर चौक स्थित मोबाइल कॉर्नर दुकान में छापेमारी की। दुकान से साइबर ठगी से संबंधित दस्तावेज एवं अन्य सामान बरामद किए गए। मौके से दुकान संचालक काजू दे और सेल्समेन गौरव कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। 01 विधि-विवादित किशोर को भी पुलिस ने निरुद्ध किया। मामले में बलियापुर

थाना कांड संख्या 136 /2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने बीएनएस और आईटी एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की है। आगे की जांच में साइबर ठगी के संगठित गिरोह का खुलासा हुआ। गिरोह के कथित मुख्य सरगना कृष्ण कुमार दास और चरणजीत कुमार दे को गिरफ्तार किया गया। उनके दो सहयोगी गोविंद बाउरी और मधुसूदन बाउरी भी पुलिस के हत्थे चढ़े। इस प्रकार मामले में अब तक छह व्यस्क आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस के अनुसार गिरोह फर्जी सिम की खरीद- बिक्री और साइबर ठगी में संलिप्त था। दूरसंचार विभाग की सूचना के अनुसार संदिग्ध सिम से साइबर ठगी की शिकायतें मिली थी। जांच के दौरान आरोपियों के माध्यम से करोड़ों रुपए की साइबर ठगी किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है । गिरोह के अधिक लेन-देन और साइबर ठगी के तरीकों की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस का कहना है कि अनुसंधान के आधार पर आगे और कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी में शामिल सदस्यों के नाम-पु०नि० नूतन मोदी, सिंदरी अंचल निरीक्षक, पु०अ०नि० सत्यजीत कुमार ,थाना प्रभारी बलियापुर, पु०अ०नि० शेखर कुमार ,प्रभारी गलफ्फरबाडी ओ०पी०, पु०अ०नि० मैथ्यू एक्का ,प्रभारी कुमारधुबी ओ०पी०, पु०अ०नि० नीतीश कुमार ,थाना प्रभारी पूर्वी टुंडी, पु०अ०नि० अशोक कुमार ,बलियापुर थाना, पु०अ०नि० मोहम्मद हसरत जमाल ,बलियापुर थाना, पु०अ०नि० महेश्वर महतो ,बलियापुर थाना, पु०अ०नि० अनिल कुमार ,बलियापुर थाना, पु०अ०नि० रोहित कुमार ,बलियापुर थाना एवं थाना सशस्त्र बल।

पाकुडिया झामुमो कार्यालय में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़िया: झामुमो प्रखंड कार्यालय में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हु, गुरूजी जैसे महापुरुषों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, प्रखंड सचिव मईनुद्दीन अंसारी सहित कई लोग शामिल रहे।
झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने कहा कि आदिवासी भाई-बहनों को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई दी और कहा कि सब आदिवासी एक होकर एकता का परिचय देना होगा। उन्होंने बताया कि मूल निवासी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। मैनुद्दीन अंसारी ने कहा

कि यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करती है जो आदिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। इस अवसर पर महेंद्र टुडू,कालिदास टुडू, कलम मुर्मू , अजीमुद्दीन अंसारी,सिबराम सोरेन, हाकिम अंसारी , बाबूरली मरांडी, मोईन आलम, मंजूर अंसारी, मनाफ अंसारी, सिकंदर अली , शाहजहाँ अंसारी , शिबजतन , नरेश हांसदा सहित झामुमो के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा घेराव:चौपारण पुलिस हाई अलर्ट

चौपारण (हजारीबाग): झारखंड विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर चौपारण पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार को झारखंड-बिहार सीमा स्थित चोरदाहा चेकपोस्ट पर रांची की ओर जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की बारीकी से जांच की गई तथा आवश्यक पूछताछ भी की गई।सुरक्षा व्यवस्था की कमान स्वयं थाना प्रभारी पंकज कुमार ने संभाली। उनके नेतृत्व में पुलिस बल ने चेकपोस्ट पर बैरिकेडिंग कर एक-एक वाहन को रोककर तलाशी ली। वाहनों के दस्तावेजों की जांच के साथ यात्रियों की पहचान भी सत्यापित की गई, ताकि किसी भी तरह की अवांछित गतिविधि या संदिग्ध तत्वों की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि विधानसभा घेराव कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और सुरक्षा के मद्देनजर लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।चेकिंग अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जांच प्रक्रिया सुरक्षा के हित में की जा रही है। बिना जांच के किसी भी वाहन को आगे नहीं जाने दिया जा रहा है। पूरे अभियान के दौरान चोरदाहा चेकपोस्ट पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक चौबंद रही।

विश्व आदिवासी दिवस 2026 के अवसर पर रविन्द्र भवन टाउन हॉल में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : विश्व आदिवासी दिवस 2026 के अवसर पर रविन्द्र भवन टाउन हॉल, पाकुड़ के सभागार में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला, नृत्य-संगीत एवं पारंपरिक वेशभूषा की समृद्ध झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त मेघा भारद्वाज सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीत कुमार चन्द्र, जिला परिवहन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा, जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, राजद जिला अध्यक्ष महावीर मड़ैया, नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आदिवासी समाज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता: सांसद प्रतिनिधि

सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज देश की प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आदिवासी समुदाय प्राचीन काल से ही जंगल, पहाड़ एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, वीर सिदो-कान्हू, फूलो-झानो एवं तिलका मांझी जैसे वीर योद्धाओं

का संघर्ष और बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को अधिक से अधिक शिक्षित किया जाए, ताकि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बन सकें।

आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा हमारी समृद्ध विरासत: नगर परिषद अध्यक्ष

नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला एवं जीवनशैली झारखंड की पहचान और गौरव है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ आदिवासी समुदाय ने प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की अनूठी परंपरा को पीढ़ियों से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने, समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमें अपनी पारंपरिक संस्कृति, भाषा, कला, वेशभूषा एवं रीति-रिवाजों को संरक्षित करते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान है और इसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा हमारी अमूल्य धरोहर: मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पाकुड़ ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला एवं जीवनशैली हमारी अमूल्य धरोहर है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में आदिवासी समाज का योगदान अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति एवं पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी को इससे जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है।

आदिवासी संस्कृति एवं विरासत के संरक्षण में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका: उप विकास आयुक्त

उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि आज पूरे विश्व में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति को संजोए रखने, समाज में स्वाभिमान की भावना को जागृत करने तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समुदाय हमेशा एकजुट होकर कार्य करता रहा है। उनकी परंपराएं और जीवनशैली प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की प्रेरणा देती हैं।

जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलित जीवन एवं पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने की आवश्यकता : उपायुक्त

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को सम्मान देने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर है। आदिवासी समाज का जीवन प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ है और इस प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज से हमें जल, जंगल और जमीन के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए प्राकृतिक संसाधनों के सतत एवं संतुलित उपयोग की सीख लेनी चाहिए। आदिवासी समुदाय ने प्रकृति के साथ रहते हुए फल-फूल, जड़ी-बूटियों एवं जंगल से प्राप्त विभिन्न संसाधनों के उपयोग से जुड़े अपने पारंपरिक ज्ञान को आज भी संरक्षित रखा है, जो अमूल्य धरोहर है। उपायुक्त ने कहा कि समय के साथ गांवों से शहरों की ओर पलायन और बदलती जीवनशैली के कारण नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपनी पारंपरिक संस्कृति एवं ज्ञान से दूर होती जा रही है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति से उतना ही संसाधन लें, जितना वह स्वयं पुनः पूरा कर सके। यही वास्तविक सतत विकास है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की अनेक परंपराओं में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक अनुशासन से जुड़े ऐसे व्यवहार पहले से मौजूद रहे हैं, जिन्हें आज आधुनिक विज्ञान भी महत्व दे रहा है। आवश्यकता है कि हम पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करें।उपायुक्त ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अत्यंत सुंदर प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने बच्चों एवं शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही सभी से पारंपरिक खान-पान, पारंपरिक ज्ञान एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने तथा दैनिक जीवन में ऐसे व्यवहार अपनाने की अपील की, जिससे पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक दिन मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा, पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के साथ अपने संबंध को पुनः याद करने एवं संरक्षित करने का अवसर है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान समाज एवं समुदाय के हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय परगनैत, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, एएनएम/जीएनएम, सहिया एवं सेविका सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं कॉफी मग प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

इस अवसर पर सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इसके तहत वन पट्टा एवं साइकिल का वितरण किया गया तथा अबुआ एवं जनमन आवास योजना के लाभुकों को आवास की चाबी सौंपी गई।
कार्यक्रम का मंच संचालन जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा द्वारा किया गया।

डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के 50 प्रशिक्षु डुरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता देखने राँची रवाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बड़े खेल आयोजनों से जुड़कर खेल प्रतिभाओं को मिलेगा प्रेरणादायक अनुभव

पाकुड़ : जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को बड़े खेल आयोजनों से परिचित कराने तथा उनमें खेल के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास एवं प्रेरणा बढ़ाने के उद्देश्य से पाकुड़ डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के कुल 50 प्रशिक्षुओं को झारखंड में आयोजित ऐतिहासिक डुरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता देखने के लिए राँची रवाना किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने हरी झंडी दिखाकर प्रशिक्षुओं से भरी बस को राँची के लिए रवाना किया।इस एक्सपोजर विजिट के माध्यम से प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खेल कौशल, अनुशासन, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। इससे प्रशिक्षुओं को बड़े मंच पर खेल रहे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेने तथा अपने खेल कौशल को और निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

बड़े खेल आयोजनों को प्रत्यक्ष देखना युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक: उपायुक्त

इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बड़े खेल आयोजनों को प्रत्यक्ष रूप से देखना युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव होता है। इससे खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होने का अवसर मिलता है।उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुशासन, मेहनत, निरंतर अभ्यास एवं खेल भावना के साथ अपने प्रशिक्षण को जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस एक्सपोजर विजिट से प्राप्त अनुभव निश्चित रूप से खिलाड़ियों के भविष्य के लिए उपयोगी साबित होगा।

बड़े खिलाड़ियों से सीखना भी खेल प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा: जिला शिक्षा पदाधिकारी

जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती ने कहा कि खेल के क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतर अभ्यास के साथ-साथ बड़े खिलाड़ियों से सीखना भी आवश्यक है। डुरंड कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को प्रत्यक्ष रूप से देखने से प्रशिक्षुओं को खेल की बारीकियों, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धा के स्तर को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें।

एक्सपोजर विजिट से बढ़ेगा आत्मविश्वास और खेल कौशल: जिला क्रीड़ा पदाधिकारी

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों को इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं एवं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को नजदीक से देखने का अवसर मिलता है। यह अनुभव उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने प्रशिक्षुओं से डुरंड कप के दौरान खिलाड़ियों के खेल कौशल, अनुशासन, टीमवर्क एवं खेल भावना को ध्यानपूर्वक देखने और उससे प्रेरणा लेकर अपने खेल को और बेहतर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि ह्लआज आप जिन खिलाड़ियों को बड़े मैदान पर खेलते हुए देख रहे हैं, कल उस मैदान पर खेलने का सपना आप भी देख सकते हैं। मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।ह्व

राँची रवाना होते समय प्रशिक्षुओं में दिखा उत्साह

डुरंड कप के इस एक्सपोजर विजिट को लेकर प्रशिक्षुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। राँची रवाना होने से पूर्व प्रशिक्षुओं ने इस अवसर के लिए जिला प्रशासन एवं खेल कार्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय की यह पहल जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को बड़े खेल आयोजनों से जोड़ने, उनका आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उन्हें भविष्य में उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम है।

पाकुड़ का लाल बना लेफ्टिनेंट, रत्नेश कमल दुबे ने बढ़ाया जिले का मान

UPSC-CDS की कठिन परीक्षा में सफलता हासिल कर भारतीय सेना में चयन, परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर

पाकुड़। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर पाकुड़ के एक और होनहार युवा ने जिले का नाम रोशन किया है। पाकुड़ शहर के मध्यपाड़ा निवासी शिक्षक कृष्ण कमल दुबे के पुत्र रत्नेश कमल दुबे ने वढरउ द्वारा आयोजित उऊर (Combined Defence Services) की कठिन परीक्षा में सफलता हासिल कर लेफ्टिनेंट पद पर चयन प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे पाकुड़ में खुशी का माहौल है। रत्नेश कमल दुबे के पिता कृष्ण कमल दुबे उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सीतापहाड़ी, पाकुड़ में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता रानी दुबे गृहिणी हैं। बहन डॉ. शिवांगी दुबे प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। रत्नेश की सफलता की खबर मिलते ही परिवार को बधाइयां देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया।

पाकुड़ से दिल्ली तक मेहनत का सफर: रत्नेश की प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ स्कूल, पियादापुर, पाकुड़ से हुई। इसके बाद उन्होंने मैट्रिक और इंटर की पढ़ाई संत जोसेफ कॉलेज, गोरखपुर से पूरी की। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए उन्होंने उछअळ परीक्षा उत्तीर्ण कर ठछव दिल्ली में प्रवेश लिया, जहां से उन्होंने विधि में स्नातक के साथ एलएलएम की पढ़ाई पूरी की। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उनका जुनून यहीं नहीं रुका। उन्होंने वढरउ की प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में भी सफलता हासिल की। लगातार प्रयास, कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ उन्होंने आखिरकार उऊर जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर लेफ्टिनेंट बनने का सपना पूरा किया।

माता-पिता और गुरुजनों को दिया सफलता का श्रेय -अपनी सफलता का श्रेय रत्नेश ने अपने माता-पिता, परिवार, संस्कारमय शिक्षा और मार्गदर्शकों को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से अपने बचपन के शिक्षक मध्यपाड़ा निवासी विपिन चौधरी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने बचपन में पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ शिक्षा दी, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा।=रत्नेश कमल दुबे का कहना है कि ईमानदारी से लगातार कठिन प्रयास किया जाए तो किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि असफलता से घबराने के बजाय लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।रत्नेश की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि मध्यपाड़ा और पूरे पाकुड़ जिले में गर्व का माहौल है। लोगों का कहना है कि छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की कठिन परीक्षा में सफलता हासिल कर लेफ्टिनेंट बनना जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा है।

बी आई टी सिंदरी में पुरुष विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी /धनबाद। बी आई टी सिंदरी में पाटलिपुत्र अस्पताल की ओर से पुरुष विद्यार्थियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर चिकित्सीय परामर्श दिया गया। पाटलिपुत्र अस्पताल की ओर से डॉक्टर मणि कुमार ,डॉक्टर कुणाल किशोर ,डॉक्टर सुधीर कुमार ,डॉक्टर प्रकाश कुमार झा शामिल रहे। इसके अलावा डॉक्टर निखिल ड्रोलिया, डॉ प्रदीप कुमार सिंहा,डॉक्टर प्रतीक शरण,डॉक्टर विदिशा ड्रोलिया और शुभांगी मोरे ने सेवाएं दी। इस अभियान के प्रथम चरण में 2 अगस्त को संस्थान के अध्यापकों और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा चुका है। अब आगामी 16 अगस्त को संस्थान की छात्राओं के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। मौके पर बी आई टी सिंदरी के निदेशक डॉक्टर पंकज राय ने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता के लिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है ।उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी। शिविर के मुख्य आयोजक एवं संस्थान के वरीय प्रशासी पदाधिकारी डॉ ब्रह्मदेव यादव ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिक का निवास होता है। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। शिविर में विद्यार्थियों ने चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पंकज राय, मुख्य आयोजक डॉ ब्रह्मदेव यादव, डॉक्टर निशिकांत किस्कू ,डॉ जीतू कुजूर और उषा कुमारी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे ।शिविर के आयोजन से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया ।संस्थान की ओर से भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही गई ।16 अगस्त को छात्राओं के लिए होने वाले शिविर को लेकर भी संस्थान में तैयारी शुरू कर दी गई है।

जनजातीय गौरव उत्सव में शामिल होंगी डॉ. आशा लकड़ा, आयोजन का दिया गया निमंत्रण

17 से 24 अगस्त तक हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा परिसर में होगा जनजातीय गौरव उत्सव, जनजातीय संस्कृति व महिला उद्यमिता को मिलेगा मंच

रांची/हजारीबाग। हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा परिसर में आगामी 17 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव उत्सव को लेकर राष्ट्रीय जनजातीय आयोग की सदस्य एवं भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. आशा लकड़ा से शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान उन्हें कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। आयोजकों ने बताया कि जनजातीय गौरव उत्सव जनजातीय संस्कृति, परंपरा, कला, उद्यमिता और सामाजिक सशक्तिकरण को समर्पित है। आयोजन के माध्यम से जनजातीय एवं महिला उद्यमियों को अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच दिया जाएगा। साथ ही स्थानीय कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।यह आयोजन बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार, राष्ट्रीय अभियान प्रमुख राजमणि, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर सावंत एवं हजारीबाग जिला अध्यक्ष बलदेव बाबू के नेतृत्व में किया जा रहा है।आयोजकों के अनुसार, उत्सव के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा की विचारधारा, जनजातीय गौरव और स्वदेशी संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के साथ जनजातीय समाज और महिला उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।डॉ. आशा लकड़ा ने कार्यक्रम की जानकारी लेने के बाद आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम में सहभागिता के निमंत्रण को स्वीकार किया।

सभ्यता सांस्कृतिक पर्यावरण की संरक्षण करे आदिवासी: मनी उरांव

लोहरदगा: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत आदिवासी विद्या पीठ पब्लिक स्कूल मैदान में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सरना समाज के संरक्षक एवं अगुवा मनी उरांव,जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की,रेंजर शंकर उरांव,शिक्षक गंगा उरांव बहुमूल्य समय प्रदान करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ धरती पूजन एवं प्रार्थना से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरना समाज के संरक्षक ने कहा कि आदिवासी पर्यावरण संरक्षक होते है प्राकृतिक की पूजा करते है 9 अगस्त 1982 को सयुक्त राष्ट में पहली बार बात आया कि आदिवासी सभ्यता सांस्कृतिक व पर्यावरण की रक्षा खुद करें। इसके पश्चात 1994 को संयुक्त राष्ट ने विश्व आदिवासी दिवस मनाने की घोषणा किया तब से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है आज के समय में 90 देश में 400 भाषा के साथ आदिवासी विश्व दिवस मना रहें है उन्होंने अभिवाषकों को कहा कि बच्चों को संस्कारिक शिक्षा दें शिक्षा ही समाज की चेतना जागता है और भविष्य निर्माण करता है। जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति,परंपरा,सभ्यता और अधिकारों का संरक्षण करना है। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग और समाज प्रमुख उपस्थित थे। साथ ही समाज के लोगो से अपील करते हुए कहा गया कि इस विश्व आदिवासी दिवस में शतप्रतिशत समाज के सभी लोग हिस्सा लें। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर होने वाले आयोजन को लेकर आदिवासी समाज के गणमान्य लोगों अपना अपना विचार प्रकट करते हुए समाज उत्थान एवं संस्कृति कायम रखने तथा कल्चर को जाने का अपील किया गया। मौके पर आदिवासी छात्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर उरांव,मुखिया धनबाज उरांव, गंगा उरांव,अनिल उरांव, सविता कुमारी,सोमरा उरांव आदि उपस्थित थे।

एनएमएल पकरी बरवाडीह द्वारा सक्षम आजीविका मिशन के तहत स्वचालित बटन मशरूम यूनिट का शुभारंभ

ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा सतत आजीविका का अवसर

जागेश्वर कुमार @ झारखंड वाला हजारीबाग ब्यूरो।

बड़कागांव :- पकरी बरवाडीह: स्थानीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने तथा आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से NML पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा सक्षम आजीविका मिशन के तहत आज एक नए स्वचालित बटन मशरूम यूनिट का शुभारंभ किया गया।इस नए यूनिट का उद्घाटन श्री पवन कुमार रावत, महाप्रबंधक (इन्फ्रा), NML पकरी बरवाडीह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के HODs, परियोजना के अधिकारी-कर्मचारी तथा सक्षम आजीविका मिशन से जुड़े लाभार्थी उपस्थित रहे।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

यह यूनिट परियोजना प्रभावित एवं आसपास के क्षेत्रों की ग्रामीण महिलाओं के लिए वैकल्पिक एवं टिकाऊ आजीविका के अवसर विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। स्वचालित बटन मशरूम यूनिट के माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर उत्पादन क्षमता बढ़ाने, उत्पादन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने तथा लाभार्थियों के लिए आय के स्थायी स्रोत को मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

अगस्त 2025 से चल रहा है मशरूम उत्पादन कार्यक्रम

NML द्वारा अगस्त 2025 में मशरूम उत्पादन कार्यक्रम की शुरूआत आजीविका विकास की पहल के रूप में की गई थी। कार्यक्रम शुरू होने के बाद से इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थानीय लाभार्थियों को मशरूम उत्पादन, देखभाल एवं संबंधित गतिविधियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। यह पहल अब स्थानीय परिवारों की आय बढ़ाने और सतत आजीविका सृजन का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है।

मौके पर उपस्थित लाभार्थियों ने NML द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग एवं आजीविका संवर्धन की पहलों के प्रति आभार व्यक्त किया। उम्मीद है कि स्वचालित यूनिट की शुरूआत से मशरूम उत्पादन कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी और लाभार्थी उत्पादन का विस्तार कर पाएंगे।

संघर्ष, सेवा और संस्कारों की अमिट विरासत को शत-शत नमन

बड़कागांव- आज बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के भुरकुंडा थाना चौक, काली मंदिर प्रांगण के समीप झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, रामगढ़ के विकास के प्रतीक, शिक्षा के दीपस्तंभ एवं महान समाज सुधारक परम श्रद्धेय स्व. रिझुनाथ चौधरी जी की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा सह पौधा वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई और उनके विचारों, संघर्षों एवं जनसेवा को नमन किया गया।स्व. रिझुनाथ चौधरी जी सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर, वंचितों की आवाज, पूर्व प्रमुख और महान शिक्षाविद थे। उन्होंने सदैव ऐसे झारखंड का स्वप्न देखा जहाँ हर झारखंडी को सम्मान, शिक्षा, अधिकार और विकास का समान अवसर मिले। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान और जनकल्याण को समर्पित रहा।उनकी प्रेरणा से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधा वितरण एवं वृक्षारोपण किया गया। साथ ही 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़कर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।कुछ व्यक्तित्व देह से विदा होते हैं, पर विचारों से सदैव जीवित रहते हैं। आपका संघर्ष हमारी प्रेरणा, आपके संस्कार हमारी पहचान और आपके विचार हमारी शक्ति हैंकार्यक्रम में भाजपा, आजसू पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

युवा वीर कृष्ण सेना ने आयोजित किया प्रतिभा सम्मान समारोह, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी वर्गों के युवा हुए सम्मानित

समाज सेवा, शिक्षा, रक्तदान, स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले युवाओं को किया गया सम्मानित

छतरपुर,पलामू। छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के रामगढ़ स्थित ओमेगा स्टडी प्वाइंट कोचिंग परिसर में रविवार को युवा वीर कृष्ण सेना संगठन की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि नगर उपाध्यक्ष मंजीत कुमार यादव, विशिष्ट अतिथि संतोष कुमार यादव शामिल हुए। सामारोह में समाज सेवा, शिक्षा, रक्तदान, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं में मनोज कुमार गुप्ता, मनोहर यादव, सिंटू विश्वकर्मा, विकाश कुमार गुप्ता, अवधेश यादव, पप्पू यादव, अजय कुमार यादव, मंटू यादव, बच्चन यादव, बसंत यादव,बीके यादव, शिवशंकर यादव , विकास यादव, चंदन यादव, श्याम यादव, सुनील कुमार यादव, राजन कुमार यादव, उदय कुमार यादव, पवन यादव, जयकुश यादव, प्रदीप यादव, रंजीत यादव, विनेश यादव, अविनाश यादव,राकेश कुमार यादव, संतोष कुमार यादव, मदन कुमार यादव, मनोज कुमार यादव, दिनेश यादव, अर्जुन यादव, उपेंद्र यादव इसके अलावा कई लोगों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा वीर कृष्ण सेना संगठन के अध्यक्ष मनोहर यादव ने की, जबकि मंच का संचालन मंटू कुमार यादव ने किया। समारोह में संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं क्षेत्र के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।समारोह को संबोधित करते हुए मनोहर यादव ने कहा कि समाज के लिए सकारात्मक कार्य करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करना संगठन का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग समाजहित में किया जाए तो क्षेत्र में बेहतर बदलाव लाया जा सकता है।इस दौरान रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की मदद करने, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने, स्वास्थ्य एवं समाज सेवा में योगदान देने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र डायरी एवं सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभा का सम्मान युवाओं के मनोबल को बढ़ाता है और उन्हें आगे भी समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। संगठन की ओर से भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई।मौके पर युवा वीर कृष्ण सेना के पदाधिकारी, सदस्य, सम्मानित युवा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आदिवासी महोत्सव-2026 के अवसर पर जिला प्रशासन ने आयोजित किया भव्य जिला स्तरीय समारोह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पारंपरिक लोककला, नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

खेल, शिक्षा एवं कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले आदिवासी प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

हजारीबाग: आदिवासी महोत्सव-2026 के अवसर पर जिला प्रशासन, हजारीबाग द्वारा आज पैराडाइस रिजॉर्ट, कार्मेल चौक, हजारीबाग में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला एवं प्रतिभाओं को सम्मान और मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान स्वागत नृत्य, नागपुरी नृत्य, कलसा नृत्य, आदिवासी समूह नृत्य, छऊ नृत्य, आदिवासी नाट्य मंचन, झारखंडी सांस्कृतिक फैशन शो एवं पारंपरिक लोकनृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। विभिन्न कला दलों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर झारखंड की लोक एवं आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, महापौर श्री अरविंद राणा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य कुमार पांडे, अपर समाहर्ता श्री महेंद्र छोटन उरांव, जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार तिवारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती वेदवंती कुमारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्री मुलिन मरांडी, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद के मीडिया प्रतिनिधि श्री रंजन चौधरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के श्री सुनील कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कलाकार एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

आदिवासी महोत्सव के माध्यम से जिले की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने खेल, शिक्षा एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर जिले एवं राज्य का गौरव बढ़ाया है। एथलेटिक्स एवं फुटबॉल के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं में फुटबॉल खिलाड़ी अष्टम उरांव एवं पूर्णिमा कुमारी जैसी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं शामिल रहीं, जिन्होंने भारतीय महिला फुटबॉल का प्रतिनिधित्व करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वहीं एथलेटिक्स के क्षेत्र में पृथ्वी उरांव, प्रीति लकड़ा सहित अन्य खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले संतोष कुमार को भी सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त आदिवासी संस्कृति एवं पारंपरिक कला को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सोहराई कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। सोहराई कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुतली गंझू, दिव्या मुर्मू एवं तारा ज्योत्सना मुर्मू को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया।

कलादलों को भी मिला सम्मान

कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड में पंजीकृत विभिन्न कलादलों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। महिला उत्प्रेरणा केन्द्र, हो इंटरटेनमेंट, झारखंड लोक कल्याण समिति, झारखंड समाज विकास परिषद, एमडी ग्रुप ऑफ थिएटर, तरंग ग्रुप एवं सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, हजारीबाग से जुड़े कलाकारों ने विभिन्न आदिवासी एवं झारखंडी लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इन सभी कला दलों एवं कलाकारों को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम ने न केवल आदिवासी एवं झारखंडी संस्कृति की विविधता और समृद्धता को मंच प्रदान किया, बल्कि जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए यह संदेश भी दिया कि परंपरा, प्रतिभा और संस्कृति तीनों के संरक्षण एवं संवर्धन से ही समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

जिला प्रशासन ने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध आदिवासी एवं झारखंडी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि ह्यगिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकताह्व, उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को तुरंत लौटकर सामना करने की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए। सरकार

भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरूआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं। शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा. नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे. काम भी पूरे हो सकते हैं. संपत्ति के कामकाज पर ध्यान देंगे. आपका पराक्रम बढ़ सकता है. सौदेबाजी में बहुत अच्छी सफलता भी मिलने के योग हैं. आपका दिन परिवार, निजी जीवन और पैसों के मामले में ही बीत सकता है. जरूरी कामों की योजना बन सकती है. अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान दें. पार्टनर के लिए समय निकालें. सेहत के मामले में सावधानी जरूर रखें.

वृषभ राशि :- आज भागीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. इस कारण आप बेचैन और अनिश्चित हो सकते है. आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है. व्यापारी वर्ग को सार्वजनिक समर्थन हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की आवश्यकता हैं. आपके आलोचक और शत्रु आपके लिए समस्याएं पैदा करेंगे, वह आप पर हावी हो सकते हैं. किन्तु आप कूटनीति के प्रयोग से उन्हें चुप करा सकते हैं.

मिथुन राशि :- आज अचल संपत्ति में लाभ के योग आपकी राशि में दिखाई देते हैं. आज का दिन प्यार मामलों के मामले में बहुत खास होगा. भाई-बहनों के साथ तर्क आपको काफी उदास कर सकता है और आप असहाय महसूस कर सकते हैं. परिवार में किसी को सुधारने का जिम्मा आप खुद उठा सकते हैं. रिश्तों के बीच आपसी समझ बढ़ाने के लिये भी दिन अच्छा है. आपको किसी प्रॉपर्टी से मुनाफा हो सकता है. आज आपको विवाह प्रस्ताव भी मिल सकते हैं?.

कर्क राशि :- नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है.परेशानियों से निपटने के लिए दिन अच्छा रहेगा. कोई नया ऑफर भी मिल सकता है. सोचे हुए काम शुरू कर दें, आपके काम जल्दी ही पूरे हो जाएंगे.रोजमर्रा के काम पूरे होने में कोई रुकावट नहीं आएगी. आप आगे भीबढ़ेंगे. महत्वपूर्ण मीटिंग और काम करने के लिए दिन शुभ है. समस्याएं भी जल्दी ही खत्म हो जाएंगी.

सिंह राशि :- यह आपके लिए बाधाओं और मुश्किल से निपटने के लिए एक कठिन समय है. आज कार्यस्थल पर दूसरों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने से बचें. अपने लक्ष्यों को प्राथमिकताओं दें. दूसरों से उपहार प्राप्त करने का यह अच्छा समय है. लंबे समय से लंबित अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे. जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें मौका मिलेगा. पारिवारिक एवं सामाजिक संदर्भ में आप किसी भी गलती के लिए सवालों के घेरे में आएंगे.

कन्या राशि :- नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है. आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं. प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है. आप नया वाहन खरीद सकते हैं. खर्च की मात्रा बढ़ने से आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है. इष्टदेव की आराधना करें. शारीरिक परिश्रम की अधिकता रहेगी. आज पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी आप परेशान हो सकते हैं लेकिन ध्यान रखें किसी भी परेशानी का हल करने में सक्षम हैं.

तुला राशि :- दिन आपके लिए अच्छा है. आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं. कामकाज में भी आपका मन लगेगा.आज आपको अचानक कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं. आप उनका फायदा उठाने के लिए तैयार रहें. अचानक मन में बदलाव आ सकते हैंजो कि आपके लिए फायदेमंद रहेंगे. जीवनसाथी से संबंधों में अनुकूलता रहेगी. दिन आपके लिए अच्छा है. पार्टनर से सरप्राइज मिलने के योग हैं. आपकी सेहत अच्छी रहेगी.

वृश्चिक राशि :- आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और आज भाग्य आपका साथ देगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं. विदेशी संपर्क वाले लोगों को कुछ अचानक लाभ मिलेगा और यात्रा भी हो सकती है. आय अच्छी रहेगी और स्वरोजगार में लिप्त जातक एक आकर्षक सौदे को अंतिम रूप प्रदान कर सकते हैं. पारिवारिक सदस्यों के मध्य सामंजस्य रहेगा और पारिवारिक उत्सव आपको व्यस्त रखेंगे.

धनु राशि :- आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं. आर्थिक निवेश और लेन-देन से बचें, नुकसान होने संभावना है. कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे. आज आपकी राशि में वाहन सुख दिखाई देता है आज खर्च की आशंकाएं आपके साथ हैं इसलिए खर्च करते समय आपको थोड़ा सावधानी बरतनी चाहिए. संबंधो में भावनाओ की प्रधानता रहेगी.

मकर राशि :-आज आपको दिनभर सावधान रहना होगा. कुछ लोग अपने स्वार्थ के कारण आपके ही लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे, सावधान रहें. आपके मन में उथल-पुथल हो सकती है. पुरानी बातों में आज आप उलझे हुए रहेंगे. किसी समस्या का समाधान हाथों-हाथ नहींहोगा. कुछ खास काम आज अधूरे रह सकते हैं. काम में आपका मन नहीं लगेगा. बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है. सेहत के मामले में दिन ठीक-ठाक रहेगा.

कुम्भ राशि :- आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और आप इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगे. रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे और अच्छा लाभ भी प्राप्त करेंगे. आप बैठकों, प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में लोकप्रिय रहेंगे. आप अपने घर को ठीक करने की योजना बनाएंगे और कुछ कलाकृतियों की खरीदारी भी करेंगे. आज आपकी सहभागिता बढ़ेगी और आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ एक छोटी यात्रा कर सकते हैं.

मीन राशि :- आज कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले आपको उससे जुड़े जोखिम के उपर भी विचार करना चाहिए. कार्य स्थल पर किसी से झगड़े और टकराव से बचने की कोशिश करें. आगे बढ़ने का दौर है. जो काम आपको दिया जाएगा, उसे आप निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. प्रेम संबंधों में सावधानी बरतें. आप अपने दिनभर के कामों की एक लिस्ट तैयार कर लें. परिवार की कुछ जिम्मेदारियां जीवनसाथी को सौंप सकते हैं.

दुखद हिंसा

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है।

इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या भारत के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्किये और सऊदी अरब?

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति-केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर सुन्नी नाटो कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है।

देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक-दूसरे की जरूरत बन गए हैं।

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है।

ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है। वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू-राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।

यह गठबंधन किसके खिलाफ है?

अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं में दिया है। तुर्किये ने साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है। पूजास्थल

ईरान की बढ़ेंगी मुश्किलें

वहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्व, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है।

बीजेपी विधायक को हत्या की धमकी, मारने के लिए मंगाया ग्रेनेड और शूटर

एजेंसी

भोजपुरः बिहार के शाहपुर विधानसभा से भाजपा विधायक राकेश रंजन उर्फ राकेश रंजन ओझा की हत्या की कथित साजिश का मामला सामने आया है. विधायक के पैतृक गांव ओझवलिया स्थित आवास पर डाक के माध्यम से एक गुमनाम पत्र पहुंचा था. पत्र में हैंड ग्रेनेड और शूटर के माध्यम से उन पर हमले की योजना का जिक्र है.

डाक के माध्यम से मिला पत्रः विधायक के द्वारा पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार यह गुमनाम पत्र उन्हें आठ जुलाई को मिला था. पत्र भेजने वाले ने अपना नाम विकास कुमार और पता शाहपुर, भोजपुर बताया था. पत्र में दावा किया गया था कि भागलपुर जेल

में बंद कुछ आरोपियों द्वारा विधायक की हत्या की बड़ी साजिश रची जा रही है.

हैंड ग्रेनेड और शूटर की व्यवस्थाः इस गुमनाम पत्र में कथित तौर पर जेल के भीतर बंदियों की गतिविधियों और उनसे बाहर के लोगों की मुलाकात से जुड़े कई गंभीर आरोप लगाए गए थे. पत्र में दावा था कि हत्या की वारदात को अंजाम देने के लिए हैंड ग्रेनेड की व्यवस्था और शूटर का इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही.

विधायक के आवेदन पर प्राथमिकीः गुमनाम पत्र मिलने के बाद विधायक ने तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी. उन्होंने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर मामले की जांच और अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी. विधायक के इस आवेदन के आधार पर पुलिस ने 19 जुलाई को सबसे पहले सनहा दर्ज किया.

भागलपुर जेल अधीक्षक नामजदः मामले की शुरूआती जांच के बाद तीन अगस्त को करनामेपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई. विधायक के आवेदन पर भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा के जेल अधीक्षक राजीव कुमार झा, आरा कोर्ट बम ब्लास्ट कांड के आरोपी लंबू शर्मा, कुबेर मिश्रा तथा हरीश मिश्रा को नामजद किया गया है. इसकी पुष्टि करनामेपुर थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार ने की. बताया कि ₹विधायक राकेश ओझा द्वारा तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी.

पिछले साल पिता की हुई थी हत्याः मामले की गंभीरता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि, विधायक के परिवार का आपराधिक घटनाओं से पुराना इतिहास रहा है. वर्ष 2016 में उनके पिता एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विशेश्वर ओझा की शाहपुर के सोनबरसा बाजार के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इसके बाद 16 अप्रैल 2025 को विधायक राकेश रंजन ओझा पर भी गोलीबारी की घटना हुई थी. पूर्व में विधायक पर हुए हमले को लेकर शाहपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. अब ताजा गुमनाम पत्र सामने आने के बाद पुलिस पुराने मामलों और वर्तमान घटनाक्रम के बीच की कड़ियां जोड़ रही है. भोजपुर एसपी राज ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि एक गुमनाम पत्र के माध्यम से विधायक को धमकी देने का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर पूरे इलाके में और संबंधित बिंदुओं पर अपनी छानबीन और जांच की कार्रवाई शुरू कर दी है.

बेटी के जन्म पर अनोखा जश्न, पीएचसी में फूलों से सजी गाड़ी लेकर पहुंचे परिजन

एजेंसी

मसौढ़ीः बेटी हुई है.. राजधानी पटना से सटे मसौढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बेटी के जन्म पर ऐसा जश्न मनाया गया कि पूरा अस्पताल खुशी से सराबोर हो गया. पुनपुन थाना क्षेत्र के पैमार घाट निवासी अंशु कुमार की पत्नी अमितांजली कुमारी ने बेटी को जन्म दिया. परिवार वालों ने इस खुशी में मिठाइयां बांटी और ढोल-नगाड़ों के साथ फूल-मालाओं से सजी गाड़ी में बेटी को घर विदा किया.

बेटी पैदा होने पर जश्नः बेटी का नाम अस्मिता भारती रखा गया. यह अमितांजली की पहली डिलीवरी थी. उनके पिता दिलीप रविदास, जो लखनौर बिदौली मसौढ़ी के रहने

वाले हैं, बेटी को प्रसव के लिए मसौढ़ी पीएचसी ले आए थे. बेटी पैदा होने की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई.

माता-पिता को पीएचसी पदाधिकारियों ने किया सम्मानितः अस्पताल प्रबंधन ने भी इस मौके पर सराहनीय पहल की. पीएचसी के पदाधिकारियों ने नन्ही अस्मिता के माता-पिता को फूल देकर सम्मानित किया और तुरंत जन्म प्रमाण पत्र बनाकर सौंप दिया. अस्पताल कर्मियों और अन्य प्रसूताओं के परिजनों ने भी नवजात शिशु और उसकी मां को खूब आशीर्वाद दिए.

अस्पताल कर्मियों ने कहा असली बदलावः अस्पताल के एक कर्मी ने कहा, ह्लपहले लोग बेटा-बेटी में फर्क करते थे. आज बेटी के जन्म पर इस तरह का उत्साह देखकर मन खुश हो गया. यही असली बदलाव है.ह्व इस मौके पर अस्पताल प्रबंधक ललन कुमार सिंह और कई कर्मचारी मौजूद रहे. सभी ने बच्ची के पैदा होने पर खुशी जाहिर की.

बेटा और बेटी में कोई फर्क नहींः बच्ची के पिता ने कहा कि घर में नन्ही परी का आगमन हुआ है. वे सभी बहुत उत्साहित हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं करना चाहिए. बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं.

मेरे बेटे की मौत पर राजनीति मत कीजिए'..भरत तिवारी की मां ने पीके को चेताया, बोलीं- 'माफी मांगो'

एजेंसी

पटनाः भोजपुर के गंगा नदी कटाव प्रभावित जवईंनियां गांव के विस्थापितों की लड़ाई लड़ते हुए कथित फर्जी एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है. इस बार पटना पहुंचकर भरत तिवारी की मां आशा देवी, भाई चंदन तिवारी और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता संजीव कुमार ने खुलकर अपनी बात रखी.

राजनीति का कड़ा विरोधः तीनों ने ईटीवी भारत से विशेष बातचीत में भरत तिवारी के नाम पर हो रही राजनीति का विरोध किया और कहा कि उनके परिवार को किसी प्रकार की आर्थिक मदद नहीं, बल्कि केवल न्याय चाहिए. परिवार ने विशेष रूप से जन सुराज के सूत्रधार और बांकीपुर विधायक

प्रशांत किशोर के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई.

प्रशांत किशोर के दावों पर आपत्तिः प्रशांत किशोर के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि भरत तिवारी की मां सरकार से 50 लाख रुपये ले चुकी हैं. भरत तिवारी के भाई चंदन तिवारी ने कहा कि पटना आने का उनका मुख्य उद्देश्य इसी मुद्दे पर अपनी बात रखना और सच सामने लाना है.

मांगें माफी मांगे प्रशांत किशोरः चंदन तिवारी ने कहा कि, यदि प्रशांत किशोर के पास इस बात का कोई प्रमाण है कि उनके परिवार ने सरकार से एक रुपये भी लिया है, तो वह सार्वजनिक करें. यदि ऐसा कोई सबूत नहीं है तो उन्हें उनकी मां से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. परिवार इसके लिए पूरी तरह अड़ा हुआ है.

उन्होंने आरोप लगाया कि पुनर्वास से जुड़े कथित 1400 करोड़ रुपये के घोटाले को उजागर करने और विस्थापितों की आवाज उठाने के कारण उनके भाई को निशाना बनाया गया. इस पूरे घटनाक्रम में तत्कालीन एसडीएम की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो कार्रवाई हो.

चंदा जुटाने वालों से किनाराः चंदन तिवारी ने कहा कि परिवार का उद्देश्य किसी से भी आर्थिक सहायता लेना या चंदा इकट्ठा करना नहीं है. भरत तिवारी की मौत के बाद कुछ लोगों ने उनके नाम पर क्यूआर कोड जारी कर आर्थिक सहयोग मांगना शुरू कर दिया. उन्होंने कहा कि परिवार ने पहले भी इसका खंडन किया था और आज भी साफ कर रहा है कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है.चंदन तिवारी ने बताया कि, भरत तिवारी की मौत के बाद जब ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया तो 50 से अधिक लोगों पर विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दी गई. उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होंने आरा के जिलाधिकारी से मुलाकात की है और मांग की है. उन्होंने मांग की है कि निर्दोष ग्रामीणों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएं. जिला प्रशासन ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया है.

'बेटे की मौत पर राजनीति मत कीजिए'ः बातचीत के दौरान भरत तिवारी की मां आशा देवी कई बार भावुक हो गईं. उन्होंने कहा कि बेटे को खोने का दर्द वही समझ सकता है, जिसने अपना जवान बेटा खोया हो. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके बेटे की तस्वीर गले में लटकाकर चुनाव के दौरान वोट मांगते रहे. अब उसी बेटे की मौत को राजनीतिक मुद्दा बनाकर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार से एक पैसा नहीं लिया है. उनके बेटे की मौत पर राजनीति मत कीजिए. आशा देवी ने कहा कि पैसे से उनका दर्द कम नहीं होगा.

कार्रवाई होने तक लड़ाई जारीः आशा देवी ने विशेष रूप से उस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराई, जिस पर परिवार लगातार आरोप लगा रहा है. उन्होंने एसडीएम पर कार्रवाई की मांग की जिसने 1400 करोड रुपए की घोटाले किए हैं. मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और कुछ गिरफ्तारियां हुई हैं.

संक्षिप्त खबरें

पति की हत्या में पत्नी और बॉयफ्रेंड को उम्रकैद, दानापुर कोर्ट ने सुनाई सजा

पटनाः दानापुर व्यवहार न्यायालय ने पति की जहर देकर हत्या के मामले में पत्नी और प्रेमी को दोषी करार दिया है. जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम संतोष कुमार गुप्ता की अदालत ने पत्नी अमृता देवी को आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार जुमार्ने की सजा सुनाई. दानापुर व्यवहार न्यायालय के जिला अपर एवं सत्र न्यायाधीश-1 कुमार गुंजन ने शुक्रवार को नौबतपुर थाना कांड संख्या 346/14 एवं सेशन ट्रायल संख्या 755/17 में अपना फैसला सुनाया. 12 वर्ष पुराने चर्चित पति हत्या मामले में कोर्ट ने पत्नी और उसके प्रेमी को दोषी करार दिया है. वहीं साक्ष्य के अभाव में दो अन्य आरोपितों को बरी कर दिया गया. प्रभारी अपर लोक अभियोजक रामेश्वर प्रसाद ने बताया कि "नौबतपुर थाना क्षेत्र के रेगनिया बाग निवासी चंदन कुमार की शादी वर्ष 2008 में दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के सिंघाड़ कोपा निवासी अनिशा देवी से हुई थी. शादी के बाद से दोनों के बीच संबंध सामान्य नहीं थे."अभियोजन के अनुसार "अनिशा देवी का नौबतपुर के अवगिला निवासी पप्पू कुमार के साथ प्रेम संबंध था. इस बीच, एक दिन चंदन कुमार ने अपनी पत्नी को पप्पू कुमार के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था और इसकी जानकारी अपने पिता सुदर्शन प्रसाद को दी थी."रामेश्वर प्रसाद ने आगे बताया कि, "इसके बाद चंदन द्वारा विरोध किए जाने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी. मामले में 13 जुलाई 2014 को दोनों पक्षों के बीच समझौता भी कराया गया. लेकिन अगले ही दिन 14 जुलाई 2014 को अनिशा देवी ने अपने प्रेमी पप्पू कुमार और अन्य लोगों के साथ मिलकर चंदन कुमार की हत्या कर दी. हत्या के बाद इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई और कमरे में बाहर से ताला लगा दिया गया." इस हत्याकांड के बाद मृतक के पिता सुदर्शन प्रसाद की शिकायत पर नौबतपुर थाना में पत्नी अनिशा देवी, प्रेमी पप्पू कुमार, उमेर यादव और भीम यादव के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था. मामले में लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए अनिशा देवी और पप्पू कुमार को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन सश्रम कारावास और 50-50 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई. वहीं, दानापुर व्यवहार न्यायालय ने दो आरोपी उमेर यादव और भीम यादव को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया.

बिहार के मॉडल हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में अंधेरा, डॉक्टरों ने मोबाइल की रोशनी में किया इलाज

रोहतासः बिहार के रोहतास जिले के सबसे प्रमुख सरकारी अस्पतालों में शामिल सासाराम सदर अस्पताल के मॉडल हॉस्पिटल से स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलने वाली तस्वीर सामने आई है. बिजली गुल होने के बाद इमरजेंसी वार्ड में मरीजों का इलाज मोबाइल फोन की रोशनी में करना पड़ा. दरअसल, सदर अस्पताल के मॉडल अस्पताल स्थित इमरजेंसी वार्ड में मरीजों का इलाज चल रहा था, इसी दौरान अचानक बिजली चली गई. बिजली गुल होते ही पूरे वार्ड में अंधेरा छा गया. चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों की जांच और उपचार के लिए मोबाइल की रोशनी का सहारा लेना पड़ा.सदर अस्पताल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अलग से ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की गई है. इसके अलावा बिजली जाने की स्थिति में अस्पताल की व्यवस्था प्रभावित न हो इसके लिए जनरेटर समेत अन्य वैकल्पिक विद्युत उपकरण भी लगाए गए हैं. इसके बावजूद अचानक बिजली कटने के बाद इमरजेंसी वार्ड में अंधेरा छा जाना अस्पताल की विद्युत व्यवस्था और उसके संचालन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है. सामने आई तस्वीरों में भी साफ देखा जा सकता है कि बिजली जाने के बाद किस प्रकार मोबाइल फोन जलाकर मरीजों के आसपास रोशनी की जा रही है. इसी रोशनी में चिकित्सक मरीजों का इलाज करते नजर आए. घटना को लेकर अस्पताल प्रबंधन से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो प्रबंधन इस मामले में कुछ भी स्पष्ट करने से बचता नजर आया. वहीं सिविल सर्जन मणिराज रंजन ने बताया कि मेन लाइन से इन्वर्टर में कनेक्शन के दौरान कुछ देर के लिए बिजली कटी थी. इसी दौरान का यह वीडियो है. डॉक्टरों सहित कर्मियों को पहले सूचना दे दी गई थी.

बिहार में एनएच के किनारे खड़े ट्रक से मिली लाश..चीनी कारोबारी ने किया बड़ा खुलासा

शेखपुराः बिहार के शेखपुरा जिले में शनिवार की सुबह एनएच-333ए के किनारे खड़े चीनी लदे एक ट्रक के केबिन से खून से लथपथ शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. पूजा करने जा रहे स्थानीय लोगों ने ट्रक के केबिन में शव देखकर तत्काल डायल-112 को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. घटना की सूचना मिलने के बाद शेखपुरा के एसपी डॉ. राकेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली. उन्होंने बताया कि सूचना मिली है कि एक ट्रक के अंदर चालक का शव पाया गया है. प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चाकू से वार किए जाने के कारण उसकी मौत हुई है. शेखपुरा के चीनी कारोबारी अशोक कुमार ने बताया कि ट्रक पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज से चीनी लादकर शेखपुरा के लिए चला था. सुबह जब उन्होंने ट्रक के चालक को लगातार फोन किया तो उसने फोन रिसीव नहीं किया. इसके बाद उन्होंने संजय ट्रांसपोर्ट के मालिक से संपर्क किया.ट्रांसपोर्ट मालिक ने जीपीएस लोकेशन देखकर बताया कि ट्रक शेखपुरा बाईपास स्थित लाइन होटल के पास खड़ा है. इसके बाद अशोक कुमार मौके पर पहुंचे. उन्होंने बताया कि ट्रक के दोनों तरफ के दरवाजे को खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. इसके बाद टायर पर चढ़कर केबिन के अंदर देखा.घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है. लोगों का कहना है कि एनएच-333ए जिले का व्यस्ततम मार्ग है और इस सड़क पर अलग-अलग शिफ्ट में पुलिस की पेट्रोलिंग भी होती रहती है. इसके बावजूद सड़क किनारे खड़े ट्रक में इस तरह की घटना होना पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है. स्थानीय लोगों ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि व्यस्त सड़क पर खड़े ट्रक में हत्या जैसी वारदात हो सकती है, तो यह निश्चित रूप से सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है. मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए हैं और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया भेजी गई 18 मीट्रिक टन मखाना, कृषि मंत्री बोले- 'किसानों की आय और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे'

एजेंसी

पटनाः बिहार के जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना ने वैश्विक बाजार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. बिहार से पहली बार 18 मीट्रिक टन जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया निर्यात की गई है. कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इससे बिहार के मखाना किसानों की आय बढ़ेगी और वैश्विक पहचान भी मिलेगी.

ऑस्ट्रेलिया भेजी गई 18 मीट्रिक टन मखाना : कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मखाना से जुड़े दरभंगा से आए किसानों से मुलाकात की साथ ही उनकी समस्या को भी जाना. उन्होंने कहा कि, बिहार के लिए काफी गर्व की बात है कि बिहार का मखना अब विदेशों तक जाने लगा है. बिहार में लगभग 90 फीसदी मखाना होता है और अब जीआई टैग भी मिल गया है.

कृषि मंत्री ने दिखाई हरी झंडी :

शुक्रवार को बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा के द्वारा सात कंटेनर ट्रक में लोड 18 मीट्रिक टन मखाना को ऑस्ट्रेलिया के लिए हरी झंडी दिखाकर मंत्री ने रवाना किया गया. यह सातों कंटेनर ट्रक पहले बिहटा के इनलैंड ड्राई पोर्ट डिपो जाएगा और वहां से रेल मार्ग के जरिए कोलकाता और कोलकाता से शिप के जरिए ऑस्ट्रेलिया भेजा जाएगा.

क्या बोले दरभंगा के किसान? : दरभंगा जिला से आए किसान राज कुमार सिंह ने बताया कि "खुशी तो है लेकिन हम लोग खुद अपने पैसा से खेती करते आ रहे है अभी तक सरकार के तरफ से कोई सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है. व्यापारी से पहले कम दामों में बेचा करते थे।लेकिन अब हमारा मखाना विदेश जा रहा है थोड़ा बहुत खुशी हुआ है, लेकिन खेती करने में सरकार मदद करे, ताकि हमलोगों का भी फायदा हो और परिवार चल सके."

जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना : सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जीआई-टैग प्राप्त मिथिला मखाना की 18 मीट्रिक टन की पहली समुद्री खेप का ऑस्ट्रेलिया निर्यात राज्य के किसानों की मेहनत और कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक पहचान का गौरवपूर्ण प्रमाण है. दरभंगा के किसानों से सीधे खरीदी गई इस खेप से उन्हें बाजार मूल्य की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला है. मिथिला मखाना को जीआई टैग मिलने के बाद इसकी विशिष्ट पहचान को वैश्विक बाजार में मजबूती मिली है. ऑस्ट्रेलिया को समुद्री मार्ग से पहली बड़ी खेप का निर्यात बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खोलने वाला कदम माना जा रहा है.

अररिया में निगरानी की कार्रवाई, उद्योग विभाग के जीएम 50 हजार घूस लेते गिरफ्तार

एजेंसी

अररिया : बिहार में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ निगरानी विभाग लगातार छापेमारी कर रही है. कई बड़े घूसखोर अफसरों पर कार्रवाई हो चुकी है. कार्रवाई के बावजूद भ्रष्ट अधिकारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है. ताजा मामला अररिया का है, जहां निगरानी की टीम ने उद्योग विभाग के महाप्रबंधक अनिल कुमार को 50 घूस लेते गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार, उद्योग विभाग के जीएम अनिल कुमार के खिलाफ निगरानी विभाग में शिकायत की गई थी. शिकायतकर्ता ने बताया कि 17 लाख की मशीन की आपूर्ति की गई थी. उसके एवज में उद्योग विभाग के महाप्रबंधक 5 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहे है. निगरानी विभाग के अनुसार, मशीन सप्लायर कमरे आलम ने महाप्रबंधक के खिलाफ रिश्वत मांगने की

शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विभिन्न लोगों को मशीनों की आपूर्ति करने के बाद भुगतान और प्रक्रिया से जुड़े काम के एवज में महाप्रबंधक कमीशन की मांग कर रहे थे.जांच करने पर रिश्वत की बात सही पाई गई. डीएसपी सतीश चंद्र माधव के नेतृत्व में धावा दल का गठन किया गया और महाप्रबंधक को रिश्वत की रकम लेते पकड़ने की योजना बनाई गई. महाप्रबंधक ने पीड़ित को रिश्वत की रकम के साथ अपने किराए के मकान पर बुलाया. जैसे ही वह रकम ले रहा था. निगरानी विभाग ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया. गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम उनसे पूछताछ कर रही है. अधिकारियों के अनुसार, मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है और रिश्वत से जुड़े पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है.गिरफ्तार की खबर फैलते ही पूरे विभाग में हड़कंप मचा हुआ है. निगरानी विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि इस मामले में रिश्वत की मांग और लेनदेन से जुड़े अन्य लोगों की कोई भूमिका थी या नहीं. निगरानी विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करें, तो तुरंत इसकी सूचना एजेंसियों को दें.

कैसे होगी बेटी की शादी..? फफक कर रो पड़े अनशन पर बैठे रिटायर्ड प्रोफेसर

एजेंसी

दरभंगाः ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. नंदलाल पासवान आज पाई-पाई के लिए मोहताज हैं. अपनी इस बदहाली और पीड़ा को मीडिया के सामने बताते हुए फफक-फफक कर रोने लगते हैं. उनका दर्द सिर्फ बकाया वेतन का नहीं, बल्कि बेटी की शादी की लाचारी का भी है. रुंधे गले से प्रोफेसर ने बताया कि, उन्हें अपनी पुत्री का विवाह करना है, जिसके अग्रिम भुगतान के लिए वे क्लेम सेल की संचिका संख्या 5759/26 लेकर भटक रहे हैं. विवि प्रशासन ने बेटी की शादी के पैसे तक रोक रखे हैं. उन्होंने रुआंसे होकर कहा कि यह कदम उनकी आखिरी लाचारी है.

विश्वविद्यालय परिसर में अनशनः घोर उपेक्षा और मानसिक प्रताड़ना के खिलाफ लाचार प्रोफेसर 3 अगस्त 2026 से ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय परिसर में ही अनिश्चितकालीन

अनशन एवं धरना पर बैठ गए हैं. उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी पांच सूत्री मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं करता, आंदोलन जारी रहेगा. प्रोफेसर की सेवा को सुप्रीम कोर्ट के सीए नंबर 798 दिनांक 12 अप्रैल 2004 के तहत परमानेंट कर दिया गया था. इसके बाद पुनः एक दूसरा न्यायादेश सीए नंबर 2703/17 दिनांक 31 अगस्त 2017 के माध्यम से भी उनकी सेवा को पूरी तरह कंफर्म और वैध माना गया था.

राज्यादेश के तहत वेतन का लाभः बिहार राज्य सरकार ने भी उनकी सेवा को राज्यादेश 36 C दिनांक 24 फरवरी 1990 के तहत एब्जॉर्ब किया था. आरक्षित पद का लाभ देकर उनकी सेवा का सम्मान किया गया था. इसके बाद 18 दिसंबर 1989 के प्रभाव से उन्हें नियमित वेतन का लाभ लगातार फरवरी 2008 तक मिलता रहा. हालांकि 35 साल के सेवाकाल में से कई वर्षों का वेतन विश्वविद्यालय ने जोर-जबरदस्ती और गलत तरीके से रोक लिया.

चांसलर के आदेश को दबाकर बैठे हैं अधिकारीः विश्वविद्यालय की बड़ी लापरवाही उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि बकाया वेतन भुगतान का आदेश खुद चांसलर साहब ने निर्गत किया था. पटना लोकभवन से भी इसके निराकरण के लिए समय सीमा तय की गई थी. लेकिन विवि नियुक्ति सेल के पदाधिकारी के सहायक उस सरकारी आदेश को अपने पास दबाकर बैठे हैं.

सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी का आरोपः उनकी मांगों में एमएलएसएम कॉलेज, दरभंगा के राजनीति विज्ञान विषय से संबंधित सरकारी अभिलेखों में कथित हेराफेरी तथा रिक्त पदों की अनियमितताओं की जांच शामिल है. वे चाहते हैं कि विवि के नियुक्ति सेल के संबंधित दोषी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराई जाए.

धरना पर बैठते ही थमा दिया दंडात्मक फरमानः विवि प्रशासन की संवेदनहीनता का आलम यह है कि जब प्रोफेसर 3 अगस्त को न्याय के लिए धरने पर बैठे, तो उन पर दबाव बनाकर एक फरमान पत्र पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए गए. प्रोफेसर का कहना है कि वह पत्र पूरी तरह से उनके खिलाफ विवि की एक दंडात्मक कार्रवाई है.

बेटी की शादी की समस्याः रिटायर्ड प्रोफेसर अपनी बात खत्म करते हुए भी फफक पड़े. कहा कि मुझे अपनी बेटी की शादी करनी है और विश्वविद्यालय वाले वेतन रोक कर रखे हैं.

जमानत देने पर न्यायिक अधिकारी पर कार्रवाई का आदेश, पटना हाईकोर्ट का फैसला

एजेंसी

पटनाः पटना हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले से एक न्यायिक पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई प्रारंभ करने का आदेश कोर्ट प्रशासन को दिया है. 22 जुलाई, 2024 को एक न्यायिक अधिकारी, जो पटना की निचली अदालत में बतौर अपर सत्र न्यायाधीश के रूप में पदस्थापित थे. उन्होंने दीघा थाना में दर्ज हत्या के प्रयास मामले के आरोपी धर्मेंद्र कुमार को गंभीर इंज्यूरी रिपोर्ट होने के बावजूद उसे नियमित जमानत दे दिया था. जस्टिस संदीप कुमार की एकलपीठ ने श्याम सुंदरी देवी की ओर से दायर जमानत रद्द करने हेतु विविध अपराधिक याचिका को मंजूर करते हुए यह फैसला सुनाया. अभियुक्त धर्मेंद्र पर पिस्तौल से गोली मारकर श्याम सुंदरी के पुत्र मुकेश उर्फ गोपी को गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है. इस मामले में दीघा थाना कांड संख्या 340/2024 दर्ज की गई थी. पटना हाईकोर्ट ने ने धर्मेंद्र को निचली अदालत से मिली नियमित जमानत को रद्द करते हुए उसे दो हफ्ते में आत्म समर्पण करने

का मोहलत दिया. अन्यथा उसके बाद विधिवत तरीके से उसे गिरफ्तार करने का निर्देश कोर्ट ने पटना पुलिस को दिया. जस्टिस संदीप कुमार ने अपने 43 पन्ने के फैसले में इस बात की हैरानी जताई कि "जिन तथ्यों के आधार पर निचली अदालत के उक्त न्यायिक अफसर ने धर्मेंद्र को जमानत दी, वे सभी तथ्य पुलिस केस डायरी वो चार्ज शीट में संधारित पीड़ित मुकेश की इंज्यूरी रिपोर्ट के विपरीत है, हाई कोर्ट ने महानिबंधक कार्यालय को आदेश दिया कि 'इस मामले से जुड़े तमाम संचिका को एक्टिंग चीफ जस्टिस के पास प्रशासनिक कदम उठाने के लिए भेजी जाए, ताकि ऐसे विचित्र तरीके से नियमित जमानत देने वाले न्यायिक अफसर के खिलाफ आवश्यक कारवाई शुरू की जा सके.

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो ● गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश ● इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

- 1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।
- 2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।
- 3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।
- 4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।
- 5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

ऐसे समझें गणित

- अगर कोई निवेशक 10,000 हर महीने 10 साल तक निवेश करता है तो उसकी कुल जमा राशि 12 लाख होगी।

मान लें औसत वार्षिक रिटर्न

- 8% रहा तो करीब 18.3 लाख
- 10% रहा तो करीब 20.7 लाख
- 12% रहा तो करीब 23.2 लाख
- 15% रहा तो करीब 27.9 लाख
- यह केवल अनुमानित उदाहरण हैं। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक परिणाम बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगे।

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय को निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 5,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी भूल हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार नीचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती हैं और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इनमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अच्छी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय' का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

● पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर

● सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

निवेश मंत्रा

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता, क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकाया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

क्यों बदल सकता है स्कोर

बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड बंद करने का एक प्रमुख असर कुल उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति के सभी कार्डों की कुल क्रेडिट लिमिट 3 लाख रुपये है और उस पर 60 हजार रुपये बकाया है, तो क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो 20 प्रतिशत होगा। अगर वह 1 लाख रुपये लिमिट वाला एक कार्ड बंद कर देता है तो कुल उपलब्ध लिमिट घटकर 2 लाख रुपये रह जाएगी। वहीं बकाया 60 हजार रुपये ही रहने पर क्रेडिट यूटिलाइजेशन बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगा। उपलब्ध क्रेडिट की तुलना में ज्यादा इस्तेमाल होना क्रेडिट प्रोफाइल के लिए कम अनुकूल माना जा सकता है।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूछताछ शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छा क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकाया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकाया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को तुरंत बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑटो पेमेंट बदलें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. क्लोजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। असर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

अतिरिक्त पैसा मिले तो कर्ज जल्दी चुकाएं या निवेश कर पैसा बढ़ाएं

फैसला लेने से पहले ब्याज, रिटर्न, जोखिम और इमरजेंसी फंड का करें आकलन

बिजनेस डेस्क

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, एरियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकाया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा सकता। होम लोन की ब्याज दर आपकी निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। भावनाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में कैटेगरी से ज्यादा जरूरी सही फंड का चुनाव करना

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर

स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला

विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाएं

3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है।

फ्लेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों, सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेल्थ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। जिन फंड मैनेजरों ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजरों को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजम्पशन और सेविंग्स के फाइनेंशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्राइवेट बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न को आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि एक साल में अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अच्छा प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन फंड की पूरी तस्वीर नहीं बताता। क्रेडो कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा असर समय के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को दी मात

मॉन्ट्रियल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वालीं कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

आंद्रीवा के खिलाफ आसानी से बढ़त बनाई

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सीड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली।

फर्नांडीज ने लगाए 8 विनर्स, किए 7 एरर

मैच के आंकड़े बाएं हाथ की खिलाड़ी की रणनीति के हिसाब से रहे। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में 34 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव के गलतियां) किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज का खेल सधा हुआ था। उन्होंने आठ विनर्स लगाए और सात अनफोर्स्ड एरर किए।

मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना: फर्नांडीज

फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूं। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूं।

अभ्यास मैच : श्रीलंका इलेवन ने पहली पारी 363 रन बनाकर की पारी घोषित

पडिक्कल के शतक से भारत का पलटवार, पंत-जायसवाल फ्लॉप

पडिक्कल ने खेली शानदार पारी

पहले दिन श्रीलंका ने 8आठ विकेट पर 363 रन बनाए और इसके बाद दूसरे दिन फिर श्रीलंका ने पारी घोषित कर दी, जिसके चलते श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहली पारी में 363 रन ही बनाए। इसके बाद भारत के लिए ओपनिंग करने आए यशस्वी जायसवाल कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ दो गेंद में शून्य पर चलते बने। जायसवाल के बाद हालांकि केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। तभी राहुल 67 गेंद में 5 चौके और एक छक्के से 40 रन बनाकर चलते बने।

कोलंबो

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाले अभ्यास मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाज, जहां बैकफुट पर नजर आए, वहीं दूसरे दिन बड़े-बड़े बैटर्स तो नहीं चले, लेकिन देवदत्त पडिक्कल का बल्ला जरूर गरजा।

भारत के लिए इंजर्ड रहने वाले शुभमन गिल बैटिंग करने नहीं आए तो साई सुदर्शन भी इंजरी के चलते बैटिंग नहीं कर सके। जबकि जायसवाल, पंत और जुरेल कुछ खास नहीं कर सके। हालांकि, साई की जगह नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने शतकीय (142 रन) पारी खेली, जिससे भारत ने तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन के अंत तक 8 विकेट पर 357 रन बनाए और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 363 रन बनाए थे। अब ये अभ्यास मैच ड्रॉ की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है और तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज फिर से अपना जलवा दिखाना चाहेंगे।

भारत को झटका, सुदर्शन हुए श्रीलंका दौरे से बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शनिवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज साई सुदर्शन पैर के अंगूठे में लगी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए। साई को स्क्वाड में चुना गया था, लेकिन साथ में जानकारी दी गई थी कि फिट होने पर ही वह खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। साई सुदर्शन चोट के कारण भारतीय टीम के साथ श्रीलंका नहीं गए थे। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। साई को भारत ए के श्रीलंका दौरे पर चोट लगी थी। सुदर्शन ने दो टेस्ट मैचों में दो शतक जड़े थे। श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरे मैच में उन्हें चोट लगी थी। साई सुदर्शन से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल का चोटिल होना भी चिंता का विषय है। भारतीय कप्तान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट के कारण श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच मे पहले दिन फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। दूसरे दिन वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

जडेजा और गुरनूर ने भी खोले हाथ

96 पर भारत का दूसरा विकेट गिरा तो रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और पडिक्कल ने भी जमकर शॉट्स लगाए। साई सुदर्शन के इंजर्ड होने पर नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने 121 गेंद में 14 चौके से 103 रन की शतकीय पारी खेली और बाकी बल्लेबाजों को मौका देने के चलते रिटायर्ड आउट होकर मैदान से बाहर चले गए। जबकि जडेजा भी 63 रन बनाकर बिना आउट हुए मैदान से बाहर चले गए थे। इसके बाद लेकिन ऋषभ पंत (2), ध्रुव जुरेल (1) कुछ खास नहीं कर सके, तो मानव सुथार ने 41 रन की पारी खेली। भारत के एक समय 256 पर 8 विकेट गिर गए थे, तो फिर से पडिक्कल मैदान में आ गए और उन्होंने 103 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इसके बाद अंत में गुरनूर बरार बैटिंग करने आए और उन्होंने दिन के आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के उड़ा दिए,जिससे भारत ने दूसरे दिन के अंत तक आठ विकेट पर 357 रन बनाए और 18 गेंद में 36 रन बनाकर बरार, तो 142 रन बनाकर पडिक्कल नाबाद रहे। इस तरह टीम इंडिया दूसरे दिन के अंत तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन से पहली पारी के आधार पर सिर्फ छह रन ही पीछे रही।

खबर संक्षेप

डेविस कप : दक्षिण कोरिया से क्वालीफायर खेलेगा भारत

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जाएगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनाएगी। कोरिया 2022 और 2023 में 16 टीमों के डेविस कप फाइनल में पहुंच चुका है।

1 करोड़ हुई लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि

लेह। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आयोजकों ने यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने कहा, 'इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।' केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रशासनिक सचिव संजीत रोड्रिग्स ने कहा, 'केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल ने पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने का फैसला किया है।

अष्मिता ने फाइनल में बनाई जगह

कोरिया मास्टर्स : सेमीफाइनल में हमवतन रक्षिता को हराया

आसन

अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

- खिताब के लिए कियान शी से भिड़ेंगी चालिहा

तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही 26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा अब खिताब के लिए चीन की हान कियान शी से भिड़ेंगी।

चालिहा ने की आक्रामक शुरुआत

चालिहा ने आक्रामक शुरुआत की और पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक हासिल कर 13-6 की बढ़त बना ली और फिर यह गेम अपने नाम करने में देर नहीं लगाई। रक्षिता ने हालांकि दूसरे गेम में बहुत अच्छी वापसी की। उन्होंने इस गेम में शुरू से लेकर आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। चालिहा ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और अपने करारे स्मैश के दम पर जल्दी ही 9-1 की बढ़त बना ली। इस बीच रक्षिता ने कुछ गलतियां की, जिसका चालिहा ने पूरा फायदा उठाया। हैदराबाद की रहने वाली रक्षिता ने स्कोर का अंतर 7-12 तक कर दिया, जिसके बाद चालिहा ने फिर से अपनी लय हासिल करके स्कोर 15-7 कर दिया। चालिहा ने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल किए और दो मौके गंवाने के बाद मैच अपने नाम कर दिया।

फ्लिंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद

लंदन। पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फ्लिंटाफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्लिंटाफ ने सितंबर 2024 में यह पद संभाला था। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के जारी बयान में कहा ,' मैंने लायंस के साथ अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा,' मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का पूरा मजा लिया और उन्हें आगे बढ़ते देखने में गर्व महसूस किया।' फ्लिंटाफ अब बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स टीम के मुख्य कोच होंगे।

5000वां वनडे : स्कॉटलैंड ने रोमांचक मुकाबले में कनाडा को दी शिकस्त

डन्डी

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत 1971 ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई थी। पहले वनडे मैच के करीब 55 साल बाद इस फॉर्मेट ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। मेंस वनडे क्रिकेट के लिए बहुत खास रहा क्योंकि इस फॉर्मेट में 5000वां इंटरनेशनल मैच खेला गया। स्कॉटलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में कनाडा को हराकर इसे यादगार बना दिया। स्कॉटलैंड के डन्डी में मेंस वर्ल्ड कप लीग 2 के इस मुकाबले के साथ ही वनडे क्रिकेट ने 5000 मैच का पड़ाव छू लिया। अब इस मौके पर विश्व क्रिकेट की किन्हीं 2 बड़ी टीमों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन स्कॉटलैंड और कनाडा ने अपनी ओर से इस यादगार मुकाबले को रोमांचक बनाने की पूरी कोशिश की और उसमें दोनों टीम सफल भी रहीं। बस सफलता स्कॉटलैंड के हाथ लगी।

फिनले मैक्क्रीथ ने ठोका शतक

मैच की मेजबानी कर रही स्कॉटिश टीम ने पहले बैटिंग की और दूसरी ही गेंद पर टीम ने अपने अनुभवी बल्लेबाज जॉर्ज मंसी का विकेट गंवा दिया, जबकि 24 रन तक 2 विकेट गिर चुके थे। मगर इसके बावजूद स्कॉटलैंड ने 7 विकेट खोकर 281 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ऐसा इसलिए हो सका क्योंकि ओपनर फिनले मैक्क्रीथ ने एक समझदारी भरी पारी खेली। अपना 18वां वनडे मैच खेल रहे मैक्क्रीथ ने पहली बार शतक जमाते हुए 120 रन बनाए। उनके अलावा स्कॉटलैंड का कोई भी बल्लेबाज 40 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

राशिद ने चटकाए 6 विकेट, अफगान की बड़ी जीत

ब्रीडी । जिस दिन वनडे क्रिकेट के 5000वें मैच की चर्चा हो रही थी, उसी दिन इस फॉर्मेट का 4999वां मैच भी खेला गया। सिर्फ कुछ मिनटों के अंतर के कारण दोनों मुकाबलों की ऐतिहासिक अहमियत में अंतर आ गया। मगर मुकाबले की बात करें तो 4999वां मैच भी खास साबित हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने इस मैच में आयरलैंड को उसके ही घर में 92 रन से हरा दिया। इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तान के सबसे बड़े स्टार राशिद खान, जिन्होंने 9 साल के लंबे इंतजार के बाद एक पारी में 6 विकेट झटके लिए।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध

भारत को झटका, चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हुईं जेमिमा

नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदर्न ब्रेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) के कारण मौजूदा 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है।

सदर्न ब्रेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदर्न ब्रेव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमी हम आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं।' 25 वर्षीय जेमिमा ने ब्रेव की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा।

महिला टी20 एशिया कप 28 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें भारत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। जेमिमा के पास इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक फिट होने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय है।

विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप: पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

भालाफेंक में यादव ने खोला खाता, जीता रजत पदक

यूजीन

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में पुरुषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतिस्पर्धा में 74.49 मीटर का थ्रो फेंका था।

चोपड़ा के बाद पदक जीतने वाले बने दूसरे भारतीय

19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं डोमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला, जिन्होंने 73 . 89 मीटर का थ्रो फेंका था।

पूजा ने लगाई 1.79 मीटर की लंबी कूद

महिलाओं की ऊंची कूद में पूजा ने 1.79 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर की बाधा पार करने वाले को फाइनल में जगह मिली। पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने फाइनल में जगह बना ली। शाहनवाज क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की कूद के साथ चौथे और कुल पांचवें स्थान पर रहे जबकि जितिन 7.57 मीटर की कूद लगाकर 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में पूनम अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल 13वें स्थान के साथ फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, डिफेंस कंपनियों को हथियारों का प्रोडक्शन बढ़ाने का दिया निर्देश

एजेंसी

वाशिंगटन। द वॉशिंगटन पोस्ट को मिले एक मेमो के अनुसार, अमेरीकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने देश की डिफेंस कंपनियों को हथियारों के प्रोडक्शन और डिलीवरी में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण अमेरिका के पास जरूरी गोला-बारूद और मिसाइलों का स्टॉक तेजी से कम हो रहा है, जिसे फिर से भरने का दबाव बढ़ रहा है। डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी स्टीव फीनबर्ग ने डिफेंस कंपनियों को पत्र लिखकर 21 दिनों के भीतर प्रोडक्शन बढ़ाने और तेजी से डिलीवरी का प्लान जमा करने को कहा है।

सालों लंबे डेवलपमेंट शेड्यूल अब मंजूर नहीं

फीनबर्ग ने अपने पत्र में साफ लिखा कि सालों तक चलने वाले डेवलपमेंट टाइमलाइन अब स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी प्रोडक्शन क्षमता तुरंत बढ़ानी होगी। हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इस मेमो की पुष्टि की, लेकिन अधिकारियों ने इन खबरों का खंडन किया कि सेना के पास हथियार पूरी तरह खत्म हो गए हैं। डिफेंस इनोवेशन यूनिट के प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर जैरेड कॉनली ने कहा कि अमेरिका के पास मौजूदा युद्ध लड़ने के लिए पर्याप्त गोला-बारूद मौजूद है।

मिसाइल इंटरसेप्टर और गोला-बारूद पर बढ़ा दबाव

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचने के लिए पैट्रियट और थाड जैसे महंगे और एडवांस एयर-डिफेंस सिस्टम का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया है। महीनों से चल रहे इस मिलिट्री ऑपरेशन की वजह से अमरीकी सेना के पास एडवांस्ड मिसाइलों का स्टॉक युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम हो गया है। जानकारों का मानना है कि अमेरिका के पास अभी के लिए भले ही हथियार हों, लेकिन इस्तेमाल हो चुकी मिसाइलों की जगह नई मिसाइलें बनाने में कई साल लग सकते हैं।

अमेरिका की चिंता

थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने चेतावनी दी है कि मिसाइल स्टॉक कम होने से अमेरिका और उसके मध्य-पूर्वी सहयोगियों के लिए आने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकना मुश्किल हो सकता है। स्टॉक बचाने के लिए सेना को कम इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ सकती हैं, जिससे दुश्मनों के हमले सफल होने का रिस्क बढ़ जाएगा।

इजराइली मीडिया के दावों के बीच ईरान ने जारी किया मोजतबा खामेनेई का नया वीडियो, स्वस्थ नजर आए सुप्रीम लीडर

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनकी मौजूदगी को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया और मध्य पूर्व के राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से तरह-तरह के दावे किए जा रहे थे। इस बीच ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर न्यूज' ने एक वीडियो जारी करके इन सभी अटकलों पर पूर्णविराम लगाने का प्रयास किया है। सामने आए ताजा वीडियो में मोजतबा खामेनेई बिल्कुल ठीक और सेहतमंद दिखाई दे रहे हैं। वे एक कमरे में गद्दे पर बैठे हुए हैं और उनके सामने मौजूद कुछ लोगों से बेहद शांत व सामान्य तरीके से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो के जारी होने के बावजूद इसकी सटीक तारीख को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ईरानी मीडिया द्वारा यह वीडियो जारी किए जाने से ठीक पहले इजराइली मीडिया की ओर से मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर कई सनसनीखेज दावे किए गए थे। इजराइल के 'चैनल 14' और 'द यरूशलम पोस्ट' ने ईरानी प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी थी कि मोजतबा की हालत बेहद गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यरूशलम पोस्ट ने यहां तक दावा कर दिया था कि शीर्ष नेतृत्व में उनकी सेहत को लेकर काफी खौफ बना हुआ है। इसके अलावा विदेशी मीडिया और सऊदी अरब के समाचार आउटलेट 'अल-हदथ' ने दावा किया था कि खामेनेई इस समय ईरान में मौजूद ही नहीं हैं। इजराइली और पश्चिमी मीडिया के इन दावों को बल इसलिए भी मिल रहा था क्योंकि खुद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने हाल ही में एक सरकारी टीवी इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि इस समय मोजतबा खामेनेई के साथ सीधा संपर्क साधना काफी मुश्किल साबित हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर की बात, भारत-अमेरिका सहयोग और कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की. दोनों नेताओं ने खास क्षेत्र में भारत- अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की. सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया. हमने खास एरिया में इंडिया-अमेरिका कॉम्प्रिहेंसिव ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की.' यह तब हुआ जब शनिवार (लोकल टाइम) को वेंस ने कहा कि वॉशिंगटन कमर्शियल जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रूप से गुजरने देने वाला रास्ता बनाने पर काम कर रहा है, साथ ही इलाके में चल रहे तनाव के बीच ईरान पर दबाव बनाना जारी रखे हुए है. फॉक्स न्यूज की होस्ट केली मैकनेनी से 'सैटरडे इन अमेरिका' पर बात करते हुए वेंस ने कहा कि इस प्लान में ईरान का कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग न करने का वादा शामिल है. उन्होंने कहा कि तेहरान ने वाशिंगटन को बताया कि वह स्ट्रेट से तेल के ज्यादा से ज्यादा फ्लो की इजाजत देगा लेकिन हमें उस पर भरोसा नहीं है. वेंस ने कहा, 'हम ईरानियों से बात कर रहे हैं, बिल्कुल. हम होर्मुज स्ट्रेट से निकलने वाले तेल और गैस की मात्रा को ज्यादा से ज्यादा करने की कोशिश कर रहे हैं.'

इस बीच अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को एक दोनों पार्टियों का बिल पास किया जो डोनाल्ड ट्रंप को भारत और चीन समेत उन देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दे सकता है जो रूसी तेल और गैस का इंपोर्ट जारी रखते हैं. कहा कि इस तरह के ट्रेड से मॉस्को की इकॉनमी को बनाए रखने और यूक्रेन में उसके मिलिट्री ऑपरेशन को फंड करने में मदद मिलती है. सीनेट ने लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 को 86-11 के भारी वोट से मंजूरी दे दी. इसके मुख्य आर्किटेक्ट में से एक दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर बने इस कानून का मकसद रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है. साथ ही उन देशों को टारगेट करना है जो मॉस्को के साथ बड़े एनर्जी ट्रेड संबंध रखते हैं.

इन नियमों के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी कच्चे तेल या नैचुरल गैस के दुनिया के टॉप पांच खरीदारों से इंपोर्ट पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाने का अपनी मर्जी का अधिकार दिया जाएगा. विदेशी एनर्जी खरीदारों को टारगेट करने के अलावा, यह कानून रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, सीनियर राजनीतिक और मिलिट्री अधिकारियों, फाइनेंशियल संस्थानों, एनर्जी डेवलपमेंट और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ नए सैंक्शन की रूपरेखा तैयार करता है. यह अमेरिका के बैन को पुराने और नए झंडे वाले तेल टैंकरों पर भी बढ़ाता है, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर रूस ग्लोबल पाबंदियों से बचने और एनर्जी एक्सपोर्ट रेवेन्यू बनाए रखने के लिए करता है. इसका बड़ा मकसद रूस की इकॉनमी और मिलिट्री कैंपेन को सपोर्ट करने वाले फाइनेंशियल फ्लो को रोकना है.

यह कानून अमेरिकी प्रेसिडेंट को रूसी तेल या नेचुरल गैस के टॉप पांच खरीदारों से इंपोर्ट किए गए सामान पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है. भारत, चीन के साथ, दुनिया भर में रूसी क्रूड ऑयल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक बना हुआ है. इस कदम का मकसद एनर्जी इंपोर्ट करने वाले देशों को डिस्काउंट पर रूसी एनर्जी खरीदते रहने या फायदेमंद अमेरिकी मार्केट तक पहुंच बनाए रखने के बीच एक ऑप्शन देना है. 2022 में रूस-यूक्रेन लड़ाई शुरू होने के बाद भारत ने ग्लोबल मार्केट में उथल-पुथल के दौरान देश की एनर्जी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिस्काउंट वाले रूसी क्रूड की खरीद बढ़ा दी. हालांकि रूस पहले भारत का पारंपरिक मुख्य सप्लायर नहीं था, लेकिन डिस्काउंट वाले क्रूड की उपलब्धता ने भारतीय रिफाइनरियों को कच्चे माल की लागत को ऑप्टिमाइज करने और बिना रुकावट घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने में मदद की.

यूपी में तिरंगा यात्रा, सीएम योगी ने कहा, राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, सभी को वंदे मातरम कहना पड़ेगा

एजेंसी

लखनऊ। देश के कई राज्यों में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गयी. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में निकाली गयी तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए. उनके अलावा तिरंगा यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, भाजपा कार्यकर्ता, छात्र, युवा एवं महिलाओं ने भाग लिया. तिरंगा पदयात्रा मुख्यमंत्री आवास 5, कालिदास मार्ग से निकली. यात्रा सिविल अस्पताल, अटल चौक होते हुए विधानभवन के सामने पहुंची. तिरंगा यात्रा के समापन के बाद सीएम योगी काकोरी शहीद स्मारक पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की.लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाये. याद करें कि आज 9 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस भी है.इसलिए भाजपा ने तिरंगा यात्रा को शहीदों के सम्मान और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति से जोड़ा है.इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने कहा, 15 अगस्त को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा. प्रधानमंत्री मोदी ने सभी लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने का अधिकार दिया है, जिससे झंडे के प्रति सम्मान औरह्यहर घर तिरंगा के मंत्र को बढ़ावा मिले.

उन्होंने कहा कि झंडा संहिता में बदलाव किये गये गए ताकि आप सभी इसे अपने घरों पर फहरा सकें. उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. तिरंगा हमारी आन बान शान है. योगी ने कहा कि पूरे देश में वंदे मातरम की गूंज है. कहा कि सभी को वंदे मातरम कहना पड़ेगा. राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत का अपमान किसी भी कीमत पर हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. सीएम योगी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस के समय में घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ता थ कोर्ट तक जाना पड़ता था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 140 करोड़ भारतीयों को यह आजादी दी. अब सभी भारतीय गर्व, सम्मान और गौरव के प्रतीक तिरंगा अपने घरों पर फहरा सकते हैं.

ममता बनर्जी की कार पर चप्पल और कीचड़ फेंके गये, लगे 'चोर-चोर' के नारे, बीजपुर में हंगामा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं के उग्र विरोध का सामना करना पड़ा. ममता बनर्जी की कार पर चप्पल और कीचड़ फेंके गये. उनके खिलाफ लोगों ने ह्यचोर-चोरह्ण के नारे भी लगाये. घटना बीजपुर विधानसभा क्षेत्र के कांचरापाड़ा में हुई.

भीड़ ने ममता के काफिले को घेरा

ममता बनर्जी एक टीएमसी कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में हुई संदिग्ध मौत के बाद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं थीं. इसी दौरान उनके काफिले को लोगों ने घेर लिया. प्रदर्शनकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री की गाड़ी पर फटे जूते-चप्पल और कीचड़ फेंका तथा 'चोर-चोर' के नारे लगाये. मामला कांचरापाड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर 23 की पूर्व टीएमसी पार्षद जेनी शर्मा केवट के पति बिरजू केवट की पुलिस हिरासत में हुई मौत से जुड़ा है. रंगदारी समेत कई गंभीर आरोपों में हालीशहर थाने की पुलिस ने बिरजू को गिरफ्तार किया था. कोर्ट ने उसे 5 दिनों की पुलिस कस्टडी में भेजा था. शनिवार को लॉकअप में ही उसकी मौत हो गयी.

बिरजू के परिवार को सांत्वना देने गयीं थीं ममता

परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से बिरजू की जान गयी है. इसी पीड़ित परिवार को सांत्वना देने जब पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी उसके घर पहुंचीं, तो वहां पहले से मौजूद बीजेपी समर्थकों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया.

बंगाल लंपटों के हाथ में, पुलिस दे रही सुरक्षा : ममता

अपनी गाड़ी पर हमले और नारेबाजी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपने गुस्से का इजहार किया. उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला. ममता बनर्जी ने सीधे तौर पर पुलिस मंत्री व वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को निशाने पर लिया. सुरक्षा की बात भूल जाइए, पुलिस यहां लंपट और गुंडों को संरक्षण दे रही है. पूरा बंगाल आज गुंडों के हाथों में चला गया है. मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर और ईंटें फेंकी गयीं हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस निजी दौरे पर केरल पहुंचे

एजेंसी

अलाप्पुझा। अमेरिकी बिजनेस एक्जीक्यूटिव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद माइकल बोलोस निजी दौरे पर केरल के अलाप्पुझा पहुंचे. बोलोस की शादी डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप से हुई है. बोलोस एक अवकाश यात्रा के हिस्से के रूप में लोकप्रिय बैकवाटर गंतव्य पर पहुंचे. उन्होंने भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैकवाटर की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव लेने के लिए एक हाउसबोट क्रूज की शुरूआत की. दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारियों सहित आठ सदस्य शामिल हैं और उनका कोच्चि लौटने से पहले शाम तक अलाप्पुझा में रुकने का कार्यक्रम है. समूह सुबह बेंगलुरु से एक चार्टर्ड उड़ान के माध्यम से कोच्चि के नेदुम्बसेरी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा और बाद में सड़क मार्ग से अलाप्पुझा की यात्रा की. अपनी यात्रा के दौरान बोलोस वेम्बनाड झील के प्राकृतिक परिवेश का पता लगाने के लिए स्पाइस रूट्स हाउसबोट पर सवार हुए.

इसके अलावा, समूह के लिए प्रतिष्ठित चंदन वल्लम (साँप नौकाओं) का ट्रायल रन देखने की व्यवस्था की गई, जो केरल की पारंपरिक नेहरू ट्रॉफी बोट रेस से जुड़े हैं. सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण, अधिकारियों ने यात्रा के संबंध में विशिष्ट यात्रा कार्यक्रम विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करने से परहेज किया. जबकि मीडिया रिपोर्टों में पहले सुझाव दिया गया था कि मुख्यमंत्री वी. डी. सतीसन ने बोलोस के साथ चर्चा की, मुख्यमंत्री कार्यालय ने उन दावों का खंडन करते हुए एक स्पष्टीकरण जारी किया. अधिकारियों ने पुष्टि की कि हालांकि राज्य सरकार को बोलोस की यात्रा के बारे में पहले से पता था, लेकिन सुरक्षा कारणों से विवरण गोपनीय रखा गया था.

इस बीच मुख्यमंत्री वी. डी. सतीसन ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ एक आधिकारिक बैठक की. मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी वाली चर्चा में उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, निवेश और समुद्री विकास सहित प्रमुख क्षेत्र शामिल थे. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने केरल और अमेरिका में शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के बीच संभावित सहयोग पर जोर दिया. इसमें संयुक्त अनुसंधान पहल, संकाय-छात्र आदान-प्रदान और नवीन प्रौद्योगिकियों में भागीदारी शामिल है. माइकल बोलोस एक अमेरिकी बिजनेस एक्जीक्यूटिव और व्यवसायी और राजनयिक मासड बोलोस के बेटे हैं.

मल्लिकार्जुन खड़गे का बीजेपी पर हमला, राम मंदिर चढ़ावा विवाद और छात्रों के आंदोलन पर मांगा जवाब

देहरादून। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की तैयारियों पर बात की। पार्टी नेताओं के दौरों पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं एआईसीसी अध्यक्ष हूँ और हर दिन यहाँ नहीं आ सकता, लेकिन हमारी पूरी टीम और कार्यकर्ता यहाँ जमीन पर डटे हुए हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा या नए बीजेपी अध्यक्ष यहाँ रोज आते हैं? हम तब आते हैं जब कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाना होता है। हम यहाँ पर्यटकों की तरह घूमने नहीं आते। राम मंदिर के दान और चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दे पर खड़गे ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मंदिर की संपत्ति में गड़बड़ी का मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस ने ही उठाया था। खड़गे ने कहा, ट्रस्ट के सदस्यों की नियुक्ति से लेकर मंदिर का उद्घाटन, पूजा की शुरूआत और झंडा फहराने तक का सारा काम प्रधानमंत्री ने खुद किया। जब सब कुछ उन्होंने ही तय किया है, तो अब इस विवाद पर उन्हें संसद में आकर देश को जवाब देना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम से जुड़े सरकार के कदमों का विरोध करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कल सर्वदलीय बैठक और फ्लोर लीडर्स की चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर शौर्य तो रक्तदान अभियान करुणा का प्रतीक : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा' के दूसरे साल के कैंपेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को देश के जवानों के प्रति नागरिकों की बड़ी जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां एक तरफ पूरी दुनिया को भारत की ताकत और पराक्रम दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की दया और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

शौर्य और करुणा का अनोखा मेल

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना की वीरता का प्रतीक था, जबकि यह रक्तदान यात्रा करुणा का दूसरा रूप है। उन्होंने कहा कि जिस तरह जवान सरहद पर देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, उसी तरह आम नागरिक भी ब्लड डोनेट करके घायल जवानों की मदद कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस समय सेना ने सीमा पार जाकर भारत के लोगों की सुरक्षा पक्की की थी, और आज हम यह कसम खा रहे हैं कि देश की सेवा में घायल किसी भी सैनिक की जान खून की कमी से नहीं जाएगी। यही भावना भारत की असली ताकत है।

दुश्मनों को दिया करारा जवाब

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने बॉर्डर पार जाकर उन लोगों को सख्त संदेश दिया था, जिन्होंने देश के मासूमों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। उस समय हमारी सेनाओं ने अपनी हिम्मत और बहादुरी का लोहा मनवाया था। अब देश के अंदर रक्तदान करके अपने बहादुर सैनिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का वक्त है।

संक्षिप्त खबर

धर्मेंद्र प्रधान ने चुप्पी तोड़ी, कहा, मेरे लिए पद जरूरी नहीं था, जेन-जी हमारे ही बच्चे, उन्हें भटकाने की कोशिश की गयी

नयी दिल्ली। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे को लेकर पहली बार अपनी स्थिति साफ की. उन्होंने कहा, जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं. कुछ लोगों द्वारा उन्हें भटकाने की कोशिश की गयी. श्री प्रधान ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद ही पद से इस्तीफा दिया. धर्मेंद्र प्रधान शनिवार को भुवनेश्वर की ऋट यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे. अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, हम जेन-जी को नजरअंदाज नहीं कर सकते. कहा कि देश के युवाओं के संकल्प और आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं. बता दें कि ठएएळ पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के 35 दिन बाद श्री प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था.अहम बात यह रही कि कार्यक्रम में जब धर्मेंद्र प्रधान बोल रहे थे, तब बीजू जनता दल के कार्यकताओं ने उनके खिलाफ नारेबाजी की. नारेबाजी को लेकर धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक को निशाने पर लिया. उन्होंने कहा, वे बीजेडी कार्यकताओं के प्रदर्शन और नारेबाजी से परेशान नहीं है. खुद को किसान का बेटा बताते हुए कहा,आप मुझे वापस जाने के लिए कहेंगे, तब भी मैं वापस ओडिशा आऊंगा. धर्मेंद्र प्रधान ने कहा. मैंने ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों का सिर कभी शर्म से नहीं झुकने दिया. जब तक मैं जिंदा हूं, ओडिशा के गौरव और स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाला कोई काम नहीं करूंगा.

सीजेआई सूर्यकांत का विरोध, छात्रों ने कहा, युवाओं को कॉकरोच कहने वाले को चीफ गेस्ट क्यों बनाया?

हैदराबाद। हैदराबाद स्थित नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी द्वारा कॉन्वोकेशन सेरेमनी में सीजेआई सूर्यकांत को चीफ गेस्ट के रूप में बुलाये जाने पर विवाद खड़ा हो गया है. खबर है कि यूनिवर्सिटी के पास आउट हो रहे छात्रों के एक ग्रुप ने इसका विरोध किया है. जानकारी के अनुसार 2026 बैच के छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, कुलसचिव, फैकल्टी और विश्वविद्यालय प्रशासन को एक पत्र लिख कर सीजेआई सूर्यकांत को बुलाये जाने का विरोध किया है. छात्रों के इस ग्रुप ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की मांग की है.छात्रों ने सीजेआई को चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित करने को संवैधानिक जवाबदेही और शैक्षणिक स्वतंत्रता के मूल्यों के खिलाफ करार दिया. विवि प्रशासन को प्रेषित पत्र में छात्रों ने लिखा, युवाओं को कॉकरोच कहने से लेकर पुलिस बर्बरता के वीडियो देखने का समय न होने जैसे असंवेदनशील बयान देने तक, उखक ने छात्रों के प्रति उदासीनता दिखाई है. उन्हें हमारे कॉलेज में आमंत्रित करना और उनके हाथों से डिग्रियों को हासिल करना हमें सही नहीं लग रहा है. छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि सीजीआई को निमंत्रण देने के अपने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करें. छात्रों ने लिखा कि विश्वविद्यालय इसे सिर्फ एक बैच की मांग न मानकर सभी ग्रेजुएट होने वाले छात्रों की एक साझा चिंता के रूप में देखे.

एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर : मोहन भागवत के बयान को मायावती ने राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताया

लखनऊ। आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर आरएसएस चीफ मोहन भागवत द्वारा दिये गये बयान पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती भड़क गयी हैं. मायावती ने आज रविवार को एक्स पर पोस्ट कर आरक्षण का समर्थन किया. आरक्षण में क्रीमि लेयर लाये जाने के संदर्भ में कहा है कि यह बाबासाहब अंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है. साथ ही. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की आलोचना करते हुए आरोप लगाया की उनकी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है. मायावती ने स्पष्ट रूप से एससी/एसटी और ओबीसी वर्गों के आरक्षण को बेहद संवेदनशील मुद्दा करार दिया. कहा कि इन समुदायों के लोगों को लंबे समय तक जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ा है. आज भी इन वर्गों के साथ शोषण और अन्याय पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. मायावती के वर्तमान माहौल में आरक्षण में क्रीमी लेयर की बात करना बाबासाहेब आंबेडकर के उद्देश्यों के खिलाफ है. बता दें कि हाल ही में मोहन भागवत ने कहा था कि आरक्षण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए. आरक्षण सामाजिक कारणों से है. जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहेगा. इस क्रम में श्री भागवत ने कहा, जिन लोगों को इसका लाभ मिला है, उन्हें आगे आकर उदारता दिखानी चाहिए. आरक्षण का लाभ लेने वालों को अपनी इच्छा से इसका लाभ छोड़ने पर विचार करना चाहिए. मोहन भागवत का यह बयान मायावती को रास नहीं आया. उन्होंने कहा, ऐसी जातिवादी सोच संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को बढ़ावा देती है.यह संविधान के उद्देश्यों के खिलाफ है. मायावती ने कहा, देश में जमीनी स्तर पर जातिवाद अभी भी मौजूद ह आरएसएस इससे अच्छी तरह वाकिफ है. मायावती के अनुसार केंद्र की सरकारों ने इस जमीनी सच्चाई को अच्छी तरह समझा है. मायावती ने आरएसएस से आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति छोड़ने की अपील करते हुए कहा, आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की वकालत बंद की जानी चाहिए.

पुणे के बारामती एयरफिल्ड पर ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश: प्रशिक्षण के दौरान रनवे से फिसला

पुणे। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक विमान रनवे से आगे निकलकर निर्धारित सतह से बाहर चला गया. पुणे ग्रामीण के एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि घटना में विमान श्ळ-रए शामिल था. विमान में कैप्टन चिराग शशिकांत दोइफोडे और कैडेट अभिजीत जुंद्रे सवार थे. दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. पुलिस के मुताबिक, विमान ने पहले लिंक ब्रावो के जरिए रनवे में प्रवेश किया और रनवे-29 के थ्रेशहोल्ड पर टेक-ऑफ के लिए लाइन-अप किया. इसके बाद रिजेक्टेड टेक-ऑफ यानी टेक-ऑफ प्रक्रिया को रोकने का अभ्यास किया गया. इसके बाद विमान को रनवे-11 के थ्रेशहोल्ड पर ले जाकर एक और रिजेक्टेड टेक-ऑफ कराया गया. इसी अभ्यास के दौरान विमान रनवे पर पूरी तरह रुक नहीं सका और रनवे-29 के थ्रेशहोल्ड से आगे निकल गया. पुलिस के अनुसार, रनवे-29 के थ्रेशहोल्ड से आगे बढ़ने के बाद विमान विस्तारित पक्की सतह से दाईं ओर निकल गया. घटना के बाद मौके पर संबंधित अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया. फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. बारामती में करीब आठ महीने के भीतर यह तीसरा विमान हादसा है.

रोमांटिक -स्पाई के बाद अब हॉरर फिल्म बनाएगा यशराज बैनर

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन जल्द ही यशराज बैनर के साथ दूसरी बार काम करने वाले हैं। खास बात यह है कि अपनी रोमांटिक फिल्मों और स्पाई-थ्रिलर वर्ल्ड के लिए पहचाना जाने वाला यशराज बैनर अब पहली बार हॉरर फिल्म बनाने वाला है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। फिल्म में लीड रोल के लिए वरुण धवन को कास्ट किया गया है। सूत्रों के मुताबिक इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं।

लाइफ Style

काजल

आउटसाइडर कहे जाने पर छलका दर्द

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उनका दर्द छलका है और वह इसलिए, क्योंकि उन्हें 'आउटसाइडर' कहा जाता है। भोजपुरी अभिनत्री काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा जगत का चर्चित नाम हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है।

फिलहाल वे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने ऐसे लोगों को जवाब दिया है, जो उन पर आरोप लगाते हैं कि वे खुद को 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' बताकर काम मांगती हैं। काजल राघवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया कि आखिर किसने उन्हें 'आउटसाइडर' कहा है? मगर, एक लंबा नोट लिखकर जवाब दिया है। उनका दर्द इस बात को लेकर छलका है कि कुछ लोग उन पर यह आरोप लगाते हैं कि वे आउटसाइडर होने का विक्टिम कार्ड प्ले करती हैं। साझा किए गए पोस्ट में काजल लिखती हैं, 'मैं गुजराती हूं। मैं बाहरी हूं। मैं रो-रोकर काम मांगती हूं या सहानुभूति ले रही हूं। दर्शकों से ये जितना मैंने नहीं बोला, उससे ज्यादा मुझे सुनाया गया या कुछ दिनों में महसूस करवाया गया उसके लिए बस इतना कहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है तो ये कहा है ये मेरी कर्म भूमि है या मैं हमेशा प्रयास करूंगी इस इंडस्ट्री का या उन जनता का, जिसने मुझे इतना प्यार देकर यहां तक पहुंचाया। मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं। यहां हर चीज अपनी है'।

हॉलीवुड मसाला

फिल्म ब्लूफ्लाई में आएंगी नजर

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'प्रिडेटर्स' डायरेक्टर निमोद एंटल निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से लिया बुमन, गाइ डेविस, रूथएन फ्रिगेरियो, ब्रायन कवानाघ जोंस, जेसन क्लिंगस्टीन, केटी लीरी, स्कॉट लेवेंसन और जेम्स नॉरबरी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं।

फिल्मों में मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर किया काम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्मों की आर्टिस्ट आवा गिलीज का 26 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कार हादसे का शिकार हो गई। उनके निधन पर परिवार ने भावुक बयान जारी किया है। आवा गिलीज ने पांच साल से ज्यादा समय तक मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम किया।। उनके मेकअप क्रेडिट्स में बार्बी, वंडर वुमन 1984 और स्नो व्हाइट जैसी हिट फिल्में और बिजर्टन, द क्राउन और स्टार वॉर्स एकोलाइट जैसे टीवी शो शामिल हैं। परिवार के हवाले से पीपल ने लिखा 'आवा, हम हमेशा तुम्हें याद करेंगे। तुम्हारी हाजिरजवाबी, तुम्हारा आकर्षण, तुम्हारी सुंदरता, तुम्हारा जबरदस्त आत्मविश्वास, तुम्हारे कई हुनर और फिल्म व टीवी के लिए मेकअप के क्षेत्र में तुम्हारी महारत। हमारे साथ बिताए लगभग 27 वर्षों में तुमने बहुत कुछ किया। इसमें पढ़ाई, यात्रा और काम शामिल हैं। तुम्हें बड़ा करना और तुमसे प्यार करना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी।'

द पैराडाइज का धमाकेदार टीजर रिलीज...

नई दिल्ली। ''द पैराडाइज' इस वक्त पैन इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी लीड रोल में हैं और इसका निर्देशन चर्चित फिल्ममेकर श्रीकांत ओडेला ने किया है। 'दसरा' की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद दोनों एक बार फिर साथ आए हैं, जिससे यह फिल्म भारतीय सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में शामिल हो गई है। कई महीनों के इंतजार के बाद मेकर्स ने आखिरकार 'द पैराडाइज' का धमाकेदार टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर शुरुआत से लेकर आखिर तक दमदार एक्शन और ड्रामे से भरपूर है। श्रीकांत ओडेला ने स्लम के बैकग्राउंड पर एक भव्य और रॉ दुनिया की झलक दिखाई है। टीजर में नेचुरल स्टार नानी बेहद दमदार और खौफनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जबकि राघव जुयाल एक खतरनाक विलन के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जिससे दोनों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी।

अदिति ने बांधे रणबीर की तारीफों के पुल...

मुंबई। रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की चर्चा के बीच अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर को जमकर सराहा है। उनके साथ अभिनय करने का पुराना अनुभव भी साझा किया है। अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रॉकस्टार' में अभिनय किया था, वह इस फिल्म में सहायक भूमिका में थीं। उनके और रणबीर कपूर के बीच भी रोमांटिक सीन्स फिल्म में थे। रॉकस्टार में अदिति ने शीना का रोल किया था। हाल ही में फिल्म रामायण की चर्चा के बीच वह रणबीर कपूर की एक्टिंग स्किल्स के बारे में काफी कुछ बोलीं। अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'रणबीर के साथ काम करना जबरदस्त था। वह कमाल के हैं, सच में कमाल के हैं। वह मेरे पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं।

टीवी मसाला

द ट्रेटर्स सीजन 2 में सेलिब्रिटीज को इशारों पर नचाएंगे करण

नई दिल्ली। रियलिटी शो का रोमांच पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपने चर्चित अनस्क्रिप्टेड शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है। जैसलमेर के ऐतिहासिक और भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में शूट किया गया यह शो एक बार फिर माइंड गेम्स, धोखे और रणनीति का नया स्तर पेश करने के लिए तैयार है।

बंटवारा 1947 का नया गाना तबस्सुम आउट...

मुंबई। राजकुमार संतोषी की फिल्म 'बंटवारा 1947' का रोमांटिक गाना 'तबस्सुम' रिलीज हो गया है। एआर रहमान के संगीत और सोनू निगम की आवाज से सजा यह गाना प्रेम, उम्मीद और मानवीय संवेदनाओं को दर्शाता है। सिनेमा प्रेमी लंबे समय से निर्देशक राजकुमार संतोषी की आगामी ऐतिहासिक फिल्म 'बंटवारा 1947' का इंतजार कर रहे हैं। इस उत्सुकता के बीच 7 अगस्त को फिल्म का नया भावुक और रोमांटिक ट्रैक 'तबस्सुम' आधिकारिक रूप से श्रोताओं के सामने आ गया है। 1 मिनट 34 सेकेंड का यह वीडियो दर्शकों को उस दौर की एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां चारों तरफ फैले तनाव के बीच भी इंसानी रिश्ते, मासूमियत और मोहब्बत अपनी जगह बना लेते हैं। इस गाने में अभिनेता अली फजल, करण देओल, कनिष्का और ईशा की बेहद स्वाभाविक और भावनात्मक अदाकारी देखने को मिलती है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले पेश किया गया यह गाना केवल एक रोमांटिक नंबर नहीं है, बल्कि यह कहानी के उन मुख्य किरदारों को सामने लाता है जो इस पूरी फिल्म की भावनात्मक नींव हैं।

दिग्गज संगीतकारों की त्रिवेणी

संगीत के दृष्टिकोण से यह ट्रैक बेहद खास है। इसे ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने स्वरबद्ध और अरेंज किया है, जबकि इसके बोल प्रख्यात गीतकार जावेद अख्तर की कलम से निकले हैं। सोनू निगम और हीर की सुरीली आवाज ने इस रचना में एक अजीब सी रूहानियत भर दी है। गाने को जारी करते हुए जी म्यूजिक कंपनी और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह एक ऐसा नाम है जिसमें जिंदगी के खूबसूरत रंग और एक न भूलने वाला अहसास छुपा हुआ है।

कांवड़ यात्रियों का फेवरेट है अमित का ये गाना, 35 सालों से मचा रहा धूम

नई दिल्ली। मौजूदा समय में कांवड़ यात्रा को लेकर काफी चर्चा हो रही है। तमाम शिव भक्त हर साल सावन के महीने का इंतजार करते हैं और कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। इस दौरान सभी कांवड़िया ट्रक, गाड़ी और पैदल जाकर गंगा जी से जल लाकर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान वे डीजे का भी इस्तेमाल करते हैं और रास्ते में उन पर शिव भजन बजाकर धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकालते हैं। इस मामले में पिछले 35 सालों से किशोर कुमार के बेटे का एक गीत कांवड़ियों का फेवरेट बना हुआ है, जो इस यात्रा का मजा दोगुना कर देता है। बगैर गीत और भजन के कांवड़ यात्रा का आनंद सूखा-सूखा लगता है। कई शिव भक्त ट्रकों में बड़े-बड़े डीजे सेटअप लगाकर कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। इस दौरान जो गाना डीजे पर बजता है, वह हर किसी का फेवरेट माना जाता है। उस गीत के बोल हैं- पीकर शंकर जी की बूटी...।

पीकर शंकर जी की बूटी

जी हां साल 1991 में रिलीज होने वाली शत्रुघ्न सिन्हा, जितेंद्र, डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म रणभूमि से नाता रखने वाला ये गीत शिव भक्तों का एंथम माना जाता है। अभिनेता ऋषि कपूर पर फिल्माया गया ये गाना कांवड़ यात्रा में डीजे पर खूब बजता है और तमाम कांवड़िया इस पर डांस करते हुए नजर आते हैं। पीकर शंकर जी की बूटी... गाने को हिंदी सिनेमा के महान गायक रहे किशोर कुमार के बेटे और पॉपुलर सिंगर अमित कुमार ने गाया है। अमित की आवाज सुनकर आपको भी ये हैरानी होगी कि जैसे ये गीत शायद उनके पिता किशोर ही गा रहे हैं। इसके अलावा फीमेल वर्जन में गाने को गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने गाया है।

मुस्लिम गीतकार ने लिखे लिरिक्स

आपको ये जानकार हैरानी होगी कि भगवान शंकर के समर्पित पीकर शंकर जी की बूटी... गाने के एक लिरिक्स एक मुस्लिम गीतकार ने लिखे थे और वह कोई और नहीं, बल्कि मशहूर शायर और कवि असद भोपाली थे, जिनका पूरा नाम असदुल्लाह खान था। उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों के करीब 400 से अधिक गीतों के बोल लिखे थे।

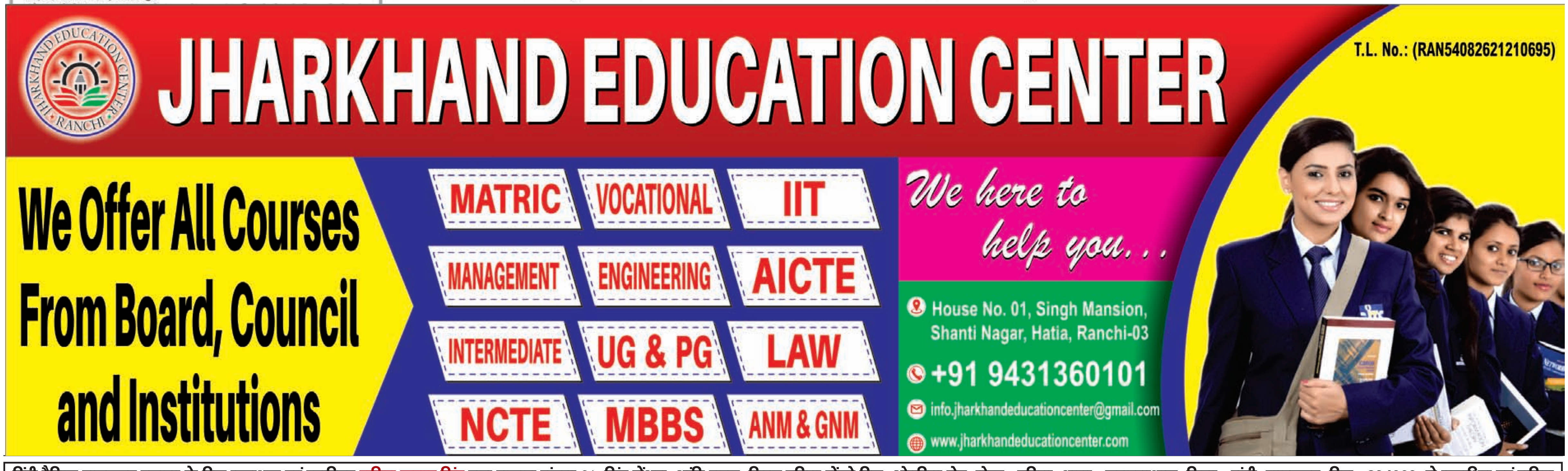

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.